दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665

अंक 02/105 | जयपुर | 04 मई /2025 | रविवार | मूल्य रु. 5 | पृष्ठ: 04

केंद्र सरकार लगातार भारतीय सेना को कर रही मजबूत

कंधे से दागी जाने वाली अगली पीढ़ी की वायु रक्षा प्रणाली की खरीद प्रक्रिया शुरू, 48 लॉन्चर, 85 मिसाइलें खरीदेगी सेना, सभी मौसम में रहेगी उपयोगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने अगली पीढ़ी की बहुत कम दूरी वाली वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस-एनजी) की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रणाली दिन हो या रात, हर मौसम में बर्फीले इलाकों में भी हवाई लक्ष्यों को मार गिराने में सक्षम होगी। रक्षा मंत्रालय ने इसकी खरीद के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) यानी निविदा जारी कर दी है। यह निविदा शनिवार को भारतीय सेना की वेबसाइट पर डाली गई। निविदा में बताया गया है कि मंत्रालय 48 लॉन्चर, 48 नाइट-विजन साइट, 85 मिसाइलें और एक मिसाइल टेस्ट स्टेशन प्रणाली को खरीदना चाहता है। ये सभी वस्तुएं 'बाय (इंडियन)' श्रेणी के तहत खरीदी जाएंगी। इच्छुक भारतीय कंपनियों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने वायु रक्षा प्रणाली की खरीद के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी कर दी है। यह निविदा शनिवार को भारतीय सेना की वेबसाइट पर डाली गई। निविदा में बताया गया है कि मंत्रालय 48 लॉन्चर, 48 नाइट-विजन साइट, 85 मिसाइलें और एक मिसाइल टेस्ट स्टेशन प्रणाली को खरीदना चाहता है

ये सभी उपकरण 'बाय इंडियन' श्रेणी के तहत खरीदे जाएंगे

यह मिसाइल प्रणाली इंफ्रारेड होमिंग टेक्नोलॉजी पर आधारित

'मैनपोर्टेबल' मिसाइल की जरूरत

निविदा के मुताबिक, हवाई क्षेत्र में बदलते खतरों को देखते हुए सेना को एक 'मैनपोर्टेबल' (कंधे पर ले जाने योग्य) मिसाइल प्रणाली की जरूरत है। यह मिसाइल प्रणाली ऐसे हालात के लिए है जब हमला बहुत करीब आ चुका हो और उसे तुरंत नष्ट करना हो। यह मिसाइल प्रणाली इंफ्रारेड होमिंग टेक्नोलॉजी पर आधारित होगी और 'फायर एंड फॉरगेट' यानी निशाना लगाओ और भूल जाओ वाली होगी। इस प्रणाली में एक इंफ्रारेड मिसाइल होगी, जो कंधे पर रखकर छोड़ी जा सकेगी। यह प्रणाली दिन और रात में सभी मौसमों में लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों, हेलिकॉप्टरों और ड्रोन को निशाना बना सकेगा।

यह प्रणाली तीनों सेनाओं के लिए उपयोगी

यह प्रणाली तीनों सेनाओं (थल, नौसेना और वायु सेना) द्वारा उपयोग की जाएगी और यह जमीन व जहाजों पर तैनात की जा सकेगी। इसे दो रूपों में इस्तेमाल किया जाएगा – एक मैनपोर्टेबल सिंगल लॉन्चर और दूसरा पैरा ड्रॉप ऑपरेशन के रूप में। यह प्रणाली पहाड़, मैदान, रेगिस्तान, समुद्री किनारा हर इलाके में काम कर सकेगी। यह -30 डिग्री से 50 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में काम करने में सक्षम होगी।

अधिकतम मारक दूरी 6000 मीटर

मिसाइल की अधिकतम मारक दूरी 6000 मीटर या उससे अधिक और न्यूनतम दूरी 500 मीटर से कम होगी। यह प्रणाली 400 मीटर प्रति सेकंड या उससे अधिक की गति से आने वाले लक्ष्यों को भी भेदने में सक्षम होनी चाहिए। प्रणाली को तीन मिनट के अंदर ट्रांसपोर्ट से फायरिंग मोड में लाने की क्षमता होगी। इस प्रणाली का सेना के वाहनों, जहाजों, ट्रेनों और विमानों के जरिए परिवहन किया जा सकेगा और पैराशूट से गिराया भी जा सकेगा।

खबर संक्षेप

एंथनी लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के पीएम बने

मेलबर्न। एंथनी अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के पीएम पद के लिए चुने गए हैं। वह पिछले 21 वर्षों में ऐसी जीत दर्ज करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई पीएम बन गए हैं। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। पीएम मोदी ने शनिवार को एंथनी अल्बनीज को उनकी शानदार जीत और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के रूप में पुनः निर्वाचित होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए अल्बनीज के साथ काम करने को उत्सुक हैं।

अजमेर में रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

जयपुर। राजस्थान में विशेष अभियान के तहत पुलिस ने अजमेर में अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। अजमेर की जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि शुक्रवार को 2151 संदिग्धों के दस्तावेजों की जांच की गई जिनमें से दरगाह इलाके में चार बांग्लादेशी नागरिकों और सरवाड़ से दो बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया। सीएम भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राज्य में अवैध रूप से रह रहे सभी बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजें।

पहलगाम आतंकी घटना के बाद देश के भीतर और अन्य देशों में सुरक्षा एजेंसी अलर्ट पर

भारत से मिली सूचना, संदिग्ध आतंकियों की तलाश में कोलंबो एयरपोर्ट पर हुई सघन जांच

भारत की खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल छह संदिग्ध चेन्नई से श्रीलंका भाग सकते हैं। इस सूचना के बाद श्रीलंकाई अधिकारियों ने चेन्नई से कोलंबो पहुंची श्रीलंकन एयरलाइंस की फ्लाइट यूएल-122 पर सर्च ऑपरेशन किया।

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश सहित पड़ोसी राज्यों में संदिग्धों की तलाश तेज हो चुकी है। पूरे देश के भीतर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इस घटना के बाद भारत और पड़ोसी देशों में अलर्ट जारी है। इस बीच बड़ी खबर मिली कि चेन्नई से पहलगाम हमले से जुड़े संदिग्ध श्रीलंका भाग सकते हैं, भारत से मिली इस सूचना के आधार पर श्रीलंका के बंदरनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (कोलंबो एयरपोर्ट) पर शनिवार को एक स्पेशल सर्च ऑपरेशन चलाया गया। श्रीलंकाई पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि भारत की खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल छह संदिग्ध चेन्नई से श्रीलंका भाग सकते हैं।

खास बातें

- इसकी वजह से कोलंबो से सिंगापुर की अगली उड़ान यूएल 308 में देरी हुई
- श्रीलंका में एयरपोर्ट, समुद्री बंदरगाहों और सीमाओं पर निगरानी बढ़ाई गई है

सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

एयरलाइंस ने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इधर, इस खुफिया सूचना के बाद श्रीलंका में एयरपोर्ट, समुद्री बंदरगाहों और सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी गई है। तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों से संदिग्ध आतंकियों के श्रीलंका भागने की आशंका को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने सख्ती बढ़ा दी है।

सुरक्षा मानकों को पूरा किया

श्रीलंकन एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि फ्लाइट यूएल 122 (विमान 4आर-एएलएस), 3 मई को दोपहर 11:59 बजे चेन्नई से कोलंबो पहुंची। स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर फ्लाइट की गहन जांच की गई। सुरक्षा मानकों को पूरा करने के बाद विमान को क्लीयर कर दिया गया। हालांकि, इस प्रक्रिया की वजह से अगली उड़ान यूएल 308 (कोलंबो से सिंगापुर) में देरी हुई।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति बोले भारत के साथ हुए रक्षा समझौते को संसद में पेश करेंगे

श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने कहा है कि भारत के साथ रक्षा समझौता जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। दिसानायके विपक्ष की इस आलोचना का जवाब दे रहे थे कि उनकी नेशनल पीपुल्स पॉवर (एनपीपी) सरकार ने भारत के साथ एक गुप्त रक्षा समझौता किया था, जब पीएम नरेंद्र मोदी 4 से 6 अप्रैल तक श्रीलंका की यात्रा पर थे और वह मांग कर रहा है कि समझौता ज्ञापन का खुलासा किया जाए।

दिसानायके ने शुक्रवार को कहा कि वे (विपक्ष) झूठी कहानियां गढ़ रहे हैं। देशों के बीच समझौते हैं, वे दोनों पक्षों के लिए खुले हैं। पीएम मोदी की 5 अप्रैल को श्रीलंका यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच रक्षा सहयोग पर हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा। दिसानायके ने श्रीलंका की इस रुख को सुनिश्चित किया था कि उसकी धरती का उपयोग किसी भी भारत विरोधी गतिविधि के लिए नहीं होने दिया जाएगा, जिससे उसके पड़ोसी की राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़े। मोदी ने अपने संबोधन में इस रुख के लिए दिसानायके को धन्यवाद दिया था।

रक्षा सहयोग एमओयू 5 वर्षों तक प्रभावी

पीएम मोदी की 5 अप्रैल को श्रीलंका यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच रक्षा सहयोग पर हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा। यह पहली बार है कि भारत और श्रीलंका ने सैन्य क्षेत्र में गहन सहभागिता के लिए एक ढांचे को संस्थागत बनाने हेतु एक प्रमुख रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। श्रीलंका के रक्षा सचिव थुइयाकोंथा ने इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद कहा था कि भारत हर साल करीब 750 श्रीलंकाई सैन्यकर्मियों को प्रशिक्षण देता है। यह रक्षा साझेदारी एक अमूल्य परिसंपत्ति बनी हुई है। इस समझौता ज्ञापन के तहत सहयोग के हिस्से के रूप में, दोनों पक्ष एक-दूसरे के सैन्य और राष्ट्रीय कानूनों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और उद्देश्यों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा

गंगानगर। राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा से बीएसएफ ने एक पाक रेंजर को पकड़ा है। बीएसएफ इस पाकिस्तानी रेंजर से पूछताछ कर रही है कि वह किस मकसद से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। बता दें कि, राजस्थान में भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा रेखा बिल्कुल स्पष्ट है। यहां कश्मीर में एलओसी की तरह कोई विवाद नहीं है। ऐसे में पाकिस्तानी जवान के यहां घुसपैठ की कोशिश कई सवाल खड़े कर रही है। बीएसएफ ने इसके बाद सीमा पर चौकसी और कड़ी कर दी है।

भारत और ब्रिटेन के बीच एमओयू

दोनों देशों ने नए सांस्कृतिक समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मामलों की मंत्री लिसा नंदी इस हफ्ते अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर हैं। नई दिल्ली में उन्होंने भारत के संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। दोनों देशों ने एक नए सांस्कृतिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। ब्रिटेन के संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग ने एक बयान में कहा कि ब्रिटेन और भारत कला और रचनात्मक क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करते हैं। यह समझौता हमारे कलाकारों, सांस्कृतिक संस्थानों और रचनात्मक व्यवसायों के लिए सहयोग, नवाचार और आर्थिक विकास के नए अवसर खोलेगा।

ब्रिटेन-भारत सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम का मकसद कला और विरासत के जरिए दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है और रचनात्मक व्यवसायों व सांस्कृतिक संस्थाओं के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को प्रोत्साहित करना है। इसमें ब्रिटेन और भारत मिलकर धरोहर संरक्षण, संग्रहालय प्रबंधन और संग्रहों के डिजिटलीकरण पर सर्वोत्तम प्रथाओं और विशेषज्ञता का समर्थन करेंगे।

सांस्कृतिक संपत्ति की मिलकर करेंगे

इस नए समझौते के क्रियान्वयन में भारत में ब्रिटिश काउंसिल और भारतीय संस्कृति मंत्रालय की भागीदारी होगी। साथ ही ब्रिटेन की आर्ट्स काउंसिल इंग्लैंड, ब्रिटिश लाइब्रेरी, ब्रिटिश म्यूजियम, नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम, साइंस म्यूजियम ग्रुप और वी एंड ए म्यूजियम जैसी प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाएं भी इसमें शामिल होंगी। विभाग ने कहा कि इस पहले ब्रिटिश म्यूजियम को ऐसी नई साझेदारियां शुरू करने का मौका मिलेगा, जिनमें प्रदर्शनियों या जन केंद्रित कार्यक्रमों के जरिए ब्रिटेन में रहने वाले प्रवासी भारतीय समुदाय को जोड़ा जा सकेगा। विभाग ने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि दक्षिण एशियाई पांडुलिपियों में निहित ज्ञान को व्यापक रूप से उपलब्ध कराया जा सके और सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। दोनों देशों ने सांस्कृतिक कलाकृतियों के अवैध व्यापार से निपटने का भी संकल्प लिया है।

आतंकवाद के खिलाफ ब्रिटेन हमेशा भारत के साथ

लिसा नंदी ने पहलगाम हमले को लेकर कहा, हमारे पीएम कीर स्टार्मर ने सीधे पीएम नरेंद्र मोदी को अपनी संवेदनाएं भेजी हैं और इस खौफनाक हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदन व्यक्त की है। उन्होंने आगे कहा, आतंकवाद के खिलाफ ब्रिटेन हमेशा भारत के साथ खड़ा है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। हम जानते हैं कि भारत इस हमले से बहुत आहत है और भारत के साथ हमारा बहुत पुराना और गहरा संबंध है। जब आप दुखी होते हैं, तो हम भी दुखी होते हैं।

चीन और यूएस के बीच टैरिफ पर तनानती

सीआईए का चीनी अधिकारियों को संदेश- हमारे साथ काम करने आएं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

चीन से टैरिफ को लेकर चल रही तनातनी के बीच अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने चीनी सरकारी अधिकारियों को मंदारिन भाषा में एक वीडियो संदेश दिया है। सीआईए ने कहा है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार में अपनी जगह को लेकर चिंतित अधिकारी हमारे साथ काम करने के लिए आ सकते हैं।

सीआईए ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर मंदारिन भाषा में दो वीडियो जारी किए, जिसमें असंतुष्ट चीनी अधिकारियों को सीआईए से संपर्क करने के लिए आमंत्रित किया गया।

चीनी अधिकारियों की भर्ती करना मकसद

रैटक्लिफ ने कहा कि इन वीडियो का मकसद गुप्त जानकारी चुराने के लिए चीनी अधिकारियों की भर्ती करना है। उन्होंने कहा कि चीन आर्थिक, सैन्य और तकनीकी रूप से दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहता है। हमारी एजेंसी को इस खतरे का जवाब तेजी, चालाकी और मजबूती के साथ देना होगा, और ये वीडियो ऐसा करने के तरीकों में से एक है।

मस्क को डोज की सुरक्षा प्रणालियों तक दे पहुंच

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से एक अपील की, जिसमें कहा गया है कि एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई-डोज) को अमेरिका के लाखों लोगों के निजी डेटा वाले सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों तक पहुंचने की अनुमति दी जाए। यह अपील मैरीलैंड के एक न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ की गई है। सॉलिसिटर जनरल जॉन सॉयर ने तर्क दिया कि सामाजिक सुरक्षा डेटा तक पहुंच में न्यायाधीश का प्रतिबंध डोज टीम के महत्वपूर्ण कार्य में बाधा डाल रहा है। यह सरकार के फैसलों में अनुचित रूप से हस्तक्षेप है। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे 12 मई तक प्रशासन की अपील पर जवाब मांगा है।

पुलिसकर्मी अली ने अदालत से राहत मिलने पर कहा

अपने 'भारत' की सेवा करने के लिए पैदा हुआ,आधा जीवन समर्पित किया

एजेंसी ▶▶ जम्मू

पाकिस्तान भेजे जाने से अदालत द्वारा अतंरिम राहत मिलने के कुछ दिन बाद शनिवार को 45 वर्षीय पुलिसकर्मी इफ्तिखार अली ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अपने देश भारत की सेवा करने के लिए ही जन्म लिया है। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के समय पर हस्तक्षेप के कारण अली और उनके आठ भाई-बहनों को आखिरी वक्त पर पाकिस्तान भेजे जाने से रोक दिया गया। पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मेंढर उपमंडल के निवासी अली ने अपना लगभग आधा जीवन पुलिस बल को समर्पित किया है।

पीएम मोदी और गृह मंत्री की प्रशंसा की

अली ने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें विश्वास है कि देश का नेतृत्व उन्हें महज इस "साजिश" के आधार पर दुश्मन देश को नहीं सौंपने देगा कि वह जम्मू-कश्मीर के उस हिस्से से ताल्लुक रखते हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। अली के विस्तारित परिवार के नौ सदस्य उन दो दर्जन से अधिक लोगों में शामिल थे।

पत्नी की डिटेल्स छिपाई, वीजा खत्म होने के बाद छिपाए रखा

पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाला जवान सीआरपीएफ से बर्खास्त

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाले जवान मुनीर अहमद को सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। सीआरपीएफ की 41 बटालियन के जवान मुनीर अहमद पर आरोप है कि उसने पाकिस्तान के सियालकोट में रहने वाली मीनल खान से शादी की है। उसने वीजा खत्म होने के बाद भी मीनल को अवैध तरीके से भारत रखा। सीआरपीएफ ने कहा कि मुनीर अहमद को सर्विस कंडक्ट और नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा माना गया है। उसने मीनल को वीजा नियमों के खिलाफ जाकर भारत में पनाह दी।

मीनल को देश छोड़ने का नोटिस

मीनल खान को भी देश छोड़ने का नोटिस मिला था। जवान ने पत्नी को पाकिस्तान भेजने से रोकने के लिए जम्मू की भलवाल कोर्ट में अपील दायर की थी। याचिका में बताया कि मीनल की मुनीर खान से मई 2024 में ऑनलाइन शादी हुई थी। मीनल मार्च 2025 में शॉर्ट टर्म वीजा पर भारत आई थी। उसने लॉन्ग टर्म वीजा के लिए आवेदन किया था, जो गृह मंत्रालय में लंबित है।

अमेरिका और ईयू देशों का तोड़ा घमंड

रूस ने यूक्रेन के 170 ड्रोन और यूरोपीय देशों से आपूर्ति वाली 8 मिसाइलें मार गिराईं

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस की सेना ने यूरोप और अमेरिका के घमंड को युद्ध के मैदान में चकनाचूर कर दिया है। मॉस्को ने दावा किया कि उसने क्रीमिया और यूक्रेन की सीमा से लगते उसके इलाकों को निशाना बनाकर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात किए गए हमले पर जवाबी कार्रवाई की और 170 ड्रोन तथा 10 से अधिक मिसाइलों को मार गिराया।

मिसाइलें काला सागर के ऊपर नष्ट कीं

मंत्रालय ने दावा किया कि इनके अलावा, ब्रिटेन द्वारा आपूर्ति की गई 8 'स्टॉर्म शैडो' क्रूज मिसाइलें और यूक्रेन द्वारा विकसित तीन नेप्च्यून-एमडी निर्देशित मिसाइलें भी काला सागर के ऊपर नष्ट कर दी गईं। शनिवार तड़के काला सागर के ऊपर यूक्रेनी नौसेना के 14 ड्रोन नष्ट कर दिए गए। इस बीच, कुछ क्षेत्रों के गवर्नर ने यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमलों में आम लोगों को नुकसान पहुंचने की जानकारी दी है।

हैरत अंगेज कारनामा: 20 साल में 200 बार खुद को जहरीले सांपों से कटवाया

टिम के खून में ऐसे एंटीबॉडीज, जो कई तरह के जहरीले सांपों से बचा सकते

अमेरिकी शख्स के खून से वैज्ञानिकों ने बनाया अनोखा 'एंटीवेनम' डोज

मांबा, कोबरा, ताइपन, क्रेट से जहर लेकर खुद को 700 से ज्यादा इंजेक्शन लगाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक अमेरिकी शख्स टिम फ्राइड ने 20 सालों में 200 बार खुद को सांपों से कटवाया है। दरअसल, टिम फ्राइड सांपों के जहर से खुद को इम्यून बनाना चाहता था। उसकी चाहत थी कि दुनिया को ऐसा एंटीवेनम (सांप के जहर को बेसर करने वाली दवा) मिले, जो सभी जहरीले सांप के जहर को बेअसर कर दे। सांप से कटवाने के बाद टिम एक बार कोमा में भी पहुंच गया, लेकिन उसके इस कारनामे ने कमाल कर दिया है। इसकी वजह से उसके खून में सांप के जहर को बेअसर करने की क्षमता बन गई। अब उसके खून का इस्तेमाल कर दवा बनाई गई है। वैज्ञानिकों ने कहा कि टिम के खून में ऐसे एंटीबॉडीज हैं, जो कई तरह के जहरीले सांपों से बची सकती हैं। इन एंटीबॉडीज जानवरों पर टेस्ट किया गया है, जो जानलेवा जहर से बचाने में सफल रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अभी जो एंटीवेनम मौजूद हैं वे सिर्फ खास तरह के सांपों के जहर पर ही काम करते हैं। जबकि टिम फ्राइड की 20 साल की मेहनत से ऐसा एंटीवेनम बनाया गया है, जो किसी भी सांप के काटने पर काम आए।

शोधकर्ताओं ने खास इम्युनिटी डिफेंस की खोज शुरू की

शोधकर्ताओं की एक टीम ने खास इम्युनिटी डिफेंस की खोज शुरू की। इसे बॉडली न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडीज कहा जाता है। इस दौरान बायोटेक कंपनी सेंटिवैक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर जैकब ग्लानविले को टिम फ्राइड के बारे में जानकारी मिली। जैकब ने बताया कि मैंने सोचा अगर दुनिया में किसी ने इन बॉडली न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडीज को विकसित किया है तो वह टिम ही होगा।

टिम ने सांपों का जहर शरीर में उतारा

टिम फ्राइड ने दुनिया के सबसे खतरनाक सांपों में शामिल मांबा, कोबरा, ताइपन और क्रेट से जहर लेकर खुद को 700 से ज्यादा इंजेक्शन लगाए। टिम पहले ट्रक मैकेनिक थे। एक बार दो कोबरा सांपों ने उन्हें बहुत जल्दी-जल्दी काटा। इसकी वजह से वह कोमा में चले गए थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका दुनिया के लोगों के लिए बेहतर इलाज विकसित करने का मकसद था और वह इसके लिए कोशिश करते रहे।

पहलगाम आतंकी हमले से सन्न व शोकाकुल देश में सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति गणना कराने का ऐलान कर समूचे आवाम को चौंका दिया है। एक समय तक संसद से सड़क व अदालत तक पीएम नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार और भाजपा जाति गणना के मुखर विरोधी रहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की जाति गणना की मांग को सामाजिक भेदभाव बढ़ाने वाली बता कर खारिज करती रहीं, हालांकि विपक्ष में रहते हुए भाजपा जाति जनगणना की मांग करती रही थी। जाति जनगणना कराने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल सरकार के इस कदम को दबाव में लिया गया निर्णय बताते हुए अपनी जीत बता रहे हैं, तो विश्लेषक व राजनीतिक के जानकार मान रहे हैं कि पीएम मोदी ने जाति गणना की घोषणा कर राहुल गांधी व विपक्ष के मुद्दे की हवा निकाल दी है। राष्ट्रीय जनगणना कब होगी, जिसमें जातियों के हिसाब से गिनती होगी, इसकी कोई भी समय सीमा नहीं बताई गई है। वर्ष 2026 में परिसीमन होना है तो माना जा रहा है कि उससे पहले जनगणना हो जाएगी। जाति गणना के बाद आंकड़े जारी होंगे या नहीं, यह भी नहीं पता। इस आंकड़े के राजनीतिक दुरूपयोग तो नहीं होंगे या इससे सामाजिक विभाजन तो नहीं बढ़ेगा यह भी आशंका है। तमाम पहलुओं का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

जातिगणना के आंकड़ों का सदुपयोग हो

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं। 1979 में मंडल आयोग का गठन और इसे राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे राजनीति ही थी।

शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अचानक जनगणना के साथ जातिगणना करने की घोषणा कर देगी। पूरा देश पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद गुस्से में है, सरकार भी लगातार कठोर तेवर अपनाए हुए है, कूटनीतिक मोर्चे पर सक्रिय होने के साथ पाकिस्तान की घेरेबंदी की जा रही है, कश्मीर के अंदर आतंकवादियों और उनके समर्थकों ,जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स कहते हैं के घर ध्वस्त किए जा रहे हैं तथा स्वयं प्रधानमंत्री चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ, सेना के तीनों प्रमुखों, प्रमुख मंत्रियों, मंत्रिमंडल की प्रमुख समितियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इन सारी गतिविधियों के बीच अचानक इस निर्णय ने निश्चित रूप से लोगों को चौंकाया है।

राजनीतिक दुरूपयोग की आशंका

निस्संदेह, पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं और उनके खतरे भी बड़े हैं। इसके बावजूद राजनीति होगी और हो रही है। 1979 में मंडल आयोग का गठन, उसकी रिपोर्ट और राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे भी राजनीति थी। इससे शुरू सामाजिक-राजनीतिक- सांस्कृतिक उथल-पुथल का दौर पूरी तरह कभी स्थिर नहीं हुआ क्योंकि इसे वास्तविक सामाजिक न्याय का ईमानदार-जिम्मेदार अंग बनाने की बजाय मंडलवादी नेताओं की अदूरदर्शिता और संकुचित सोच के कारण इसका घातक दुरूपयोग हुआ। पूरे देश की राजनीति और सत्ता संरचना के वर्णक्रम में आमूल बदलाव आया, पर अदूरदर्शी, नासमझ नेताओं और उनके परिवारों के हाथों कई राज्यों की राजनीति केंद्रित होने के कारण देश को ऐसा नुकसान भी उठाना पड़ा जिसकी भरपाई संभव नहीं हो पा रही।

कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां इसे अपनी विजय बता सकती है, क्योंकि पिछले साढ़े तीन वर्षों से ये इसकी आवाज उठा रहे थे। 2024 लोकसभा चुनाव में जाति जनगणना को एक बड़ा मुद्दा बनाया गया। यह भी सच है कि राहुल गांधी जाति जनगणना के साथ संपत्ति सर्वे से लेकर संख्या के आधार पर संसाधनों के बंटवारे जैसे अतिवादी वादे कर रहे थे। भाजपा का पहला स्टैंड था कि यह व्यावहारिक नहीं है और एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सरकार ने यही शपथ पत्र दिया था। दूसरी ओर किसी भी मंत्री या नेता ने जाति जनगणना का नाम लेकर विरोध नहीं किया। बिहार में तो तब विपक्ष में रहते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई ने नीतीश कुमार द्वारा जाति सर्वे करने का समर्थन कर दिया। पिछले वर्ष के उत्तरार्ध से मोदी सरकार की ओर से जाति जनगणना करने का संकेत मिलने लगा। जब सरकार की ओर से आगामी जनगणना की बात आई तो गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले वर्ष अगस्त में एक प्रश्न के उत्तर में कहा था कि समय आने पर इसका निर्णय होगा। भारत में मजहब परिवर्तन के बावजूद मुसलमानों में भी पूर्व हिंदुओं की जाति कायम है और उनकी गणना होगी। विपक्ष और आम भाजपा विरोधी इस पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे, यह भी देखना होगा।

मुस्लिम जातियों की भी हो गणना

गणना सभी की होनी है तो उसमें मुस्लिम जातियों की भी होनी चाहिए। देश को पता चलना चाहिए कि जातिविहीन मजहब का भारतीय सच क्या है। राहुल गांधी हो या अन्य नेता जाति जनगणना की मांग का श्रेय लेने के साथ उनका मुसलमानों के अंदर जाति की गणना पर अपना स्टैंड स्पष्ट करना पड़ेगा। ऐसा तो नहीं हो सकता कि भारत में केवल हिंदुओं के अंदर जाति की गणना हो और दूसरे मजहब को इससे अलग रखा जाए। वे कभी भी हिंदुओं से बाहर जाति गणना की न कल्पना करते थे न बात। इसलिए जाति गणना पर राजनीति खासकर श्रेय लेने की राजनीति जितनी मानी जा रही है उतनी सरल सपाट और आसान नहीं है। जाति गणना से संबंधित कुछ बातें अवश्य ध्यान रखनी चाहिए। 2011 की जनगणना के समय भी जाति जनगणना की जबरदस्त मांग उठी थी और संसद का रिकॉर्ड देखें तो भाजपा भी सरकार से इसकी मांग कर रही थी। यूपीए सरकार ने इसे संविधान के तहत जनगणना आयुक्त के अधीन मान्य तरीके से कराने की जगह ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के रूप में कराया तो उसके भी निहितार्थ थे। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, पूरा परिश्रम करने के बावजूद नहीं कर सकी क्योंकि पूरी रिपोर्ट त्रुटियों से भरी थी। लगभग 46 लाख जातियां और गोत्र आ गए थे। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जाति-जनजाति को छोड़कर अन्य जातियों की गणना नहीं करने का निर्णय लिया तो सोच यही थी कि अंग्रेज जाति भेद उभार कर भारत में अपनी सत्ता बनाये रखने के लक्ष्य से ऐसा कर रहे थे जिससे बचना है। यह सच है कि एक समय सामाजिक दृष्टि से गहरे अन्वेषण और व्यावहारिकता से निर्मित सशक्त जाति व्यवस्था भारत के स्वावलंबी और आदर्श देश का कारण था तो कालांतर में जाति भेद, ऊंच-नीच और छुआछूत ने देश को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया।

क्या ऊंच-नीच व भेदभाव से मुक्ति मिलेगी

ध्यान रखिए कि अंग्रेजों ने 1853 में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंस में पहली जनगणना कराई और उसके बाद जातिवार गणना का विचार किया। तब सेन्शस एडमिनिस्ट्रेटर एचएच रिजले की अगुवाई में विचार हुआ और किसे व किस जाति का माना जाए, इसके लिए वर्ण व्यवस्था और पेशे के अनुसार जाति समूह बनाए गए। बावजूद 1901 में पहली जनगणना हुई लेकिन अंग्रेजों की दृष्टि से भी जाति पूर्ण जनगणना केवल 1931 में संभव हो सकी। दरअसल, भारत की जाति व्यवस्था को समझना अंग्रेजों के वश की बात नहीं थी। 1901 में 1646 जातियां थी तो 1931 की जनगणना में 4147 और 2011 में करीब 46 लाख। 1980 के मंडल आयोग रिपोर्ट में भी 3428 अन्य पिछड़ी जातियों की सूची थी। एक ही जाति श्रेणी के अलग-अलग राज्य के साथ एक ही राज्य में अलग-अलग नाम और गोत्र हैं। इसलिए शत- प्रतिशत मान्य और सुसंबद्ध जातिगत आंकड़ा देना गणना के बावजूद अत्यंत कठिन होगा। एक उदाहरण देखिए। 1931 में महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग में आने वाली जातियों की संख्या 494 थी, जबकि 2011 की गणना में यह संख्या 4 लाख 28 हजार 677 पाई गई। इससे कल्पना की जा सकती है कि जाति की गणना और फिर संपूर्ण स्पष्ट रिपोर्ट ले आना आसान नहीं होगा। मोदी सरकार ने 2011 की गणना पर गहराई से काम किया, इसलिए उसे इसका अनुभव है। मूल बात इस गणना के उद्देश्य की है। जब अधिसूचना जारी होगी तो पता चलेगा कि सरकार क्या उद्देश्य घोषित करती है। साफ है कि जाति जनगणना के पीछे दूरगामी सोच, भविष्य में उत्पन्न होने वाली प्रतिक्रियाओं को संभालने की तैयारी और उसके सदुपयोग की आधारभूमि होनी चाहिए। विपक्ष के तेवर से साफ है कि इसके बाद इसे मंडल भाग 2 बनाने की रणनीति अपनाई जाएगी। अगर जनसंख्या उनके अनुसार निकली तो आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने पर राजनीति होगी। उस समय की परिस्थितियों को पहले की पृष्ठभूमि में देखने पर देश में सामाजिक अशांति और उथल-पुथल का डर पैदा होता है। अभी तक नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जाति, आरक्षण और अन्य मुद्दों पर दिखाई गई गंभीरता से उम्मीद की जा सकती है कि सत्ता की राजनीति करते हुए भी इसका हश्र वैसा नहीं होगा, जैसा मंडल और उसके नाम पर निकले नेताओं ने आरक्षण का किया। जाति जनगणना पर निर्णय के एक दिन पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की प्रधानमंत्री से लंबी मुलाकात हुई। इसमें जाति गणना की रूपरेखा और इससे उत्पन्न भविष्य की परिस्थितियों पर भी विस्तृत बातचीत हुई होगी। पिछले वर्ष 2 सितंबर को पलक्कड में आयोजित समन्वय बैठक में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा था कि समाज के वंचित वर्ग के कल्याण के लिए जाति के आंकड़े इकट्ठे करने में समस्या नहीं है। लेकिन यह गंभीर मुद्दा है, राष्ट्र की एकता और अखंडता से जुड़ा है, इसलिए इसका राजनीतिक दुरुपयोग नहीं हो बल्कि उपयोग जन कल्याण के लिए हो। विपक्ष जो आरोप लगाये, संघ को व्यापक उद्देश्य से जाति गणना करने में समस्या नहीं रही है। संघ ने अपना मंतव्य सरकार के सामने स्पष्ट किया होगा। संघ का उद्देश्य हिंदू समाज के अंदर उसके स्व का भाव घनीभूत करते हुए भेदभाव समाप्त कर पूर्ण एकता स्थापित करना है। भेदभावपूर्ण जाति व्यवस्था भारत का मूल नहीं बल्कि कालांतर में विकृत होता गया भयानक सच है।

नकारात्मक मोड का पूर्वोपाय जरूरी

हिंदू समाज को विभाजित कर देश को कमजोर करने के लिए अनेक शक्तियां अंदर और बाहर सक्रिय हैं और जाति गणना की उग्र मांग के पीछे प्रत्यक्ष परोक्ष उनकी भूमिका भी है। जिस तरह राहुल गांधी या अखिलेश यादव सभाओं में पत्रकारों तक की जाति पूछते हुए डराते और शर्मसार करते देखे गए हैं वो भयभीत करने वाला है। यह समाज के वास्तविक वंचितों और पिछड़ों के कल्याण द्वारा जाति भेद समाप्त कर समता पर आधारित समाज निर्मित करने और देश की एकता व अखंडता को सशक्त करने की भूमिका तो नहीं हो सकती। सरकार, भाजपा, संघ तथा सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण में लगे दूसरे संगठनों को संपूर्ण परिस्थितियों की समझ है। इसलिए उम्मीद करनी चाहिए कि जाति के आंकड़े नए सिरे से विभाजन और जातीय विद्वेष, ईर्ष्या , घृणा उभारने का कारण नहीं बनेगा। यह जनगणना 1951 से अब तक की सबसे विस्तृत, व्यापक और समग्र गणना होगी जिसमें जाति गिनना एक भाग होगा। इसमें संभवतः एक-एक परिवार के संपूर्ण आर्थिक, वित्तीय जिसमें संपत्ति, कर्ज, वाहन, पेशा, शिक्षा आदि की संपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। लेकिन जाति गणना का कारक राजनीतिक वक्तव्य और विमर्श में सबसे प्रबल होता जाएगा, इसकी पूरी संभावना है। मोदी सरकार और देश में सामाजिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय एकता अखंडता में निष्ठा रखने वाले ,उसके लिए काम करने वाले संगठनों, समूहों और व्यक्तियों का दायित्व है कि उस विमर्श को नकारात्मक मोड़ लेने से रोकने का पूर्वोपाय करें।

जातिगत जनगणना के हैं बहुआयाम

दृष्टिकोण

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

आखिरकार केंद्र सरकार ने जाति आधारित जनगणना को हरी झंडी देकर एक अच्छी पहल की है। इस गणना में धार्मिक और आर्थिक आंकड़े तो लिए ही जाएंगे, गरीबी और अमीरी के आंकड़े भी स्पष्ट तौर से रेखांकित हो जाएंगे। विभिन्न धर्मों के धर्मावलंबियों की संख्या भी सुनिश्चित हो जाएगी। हालांकि एक समय जातीय आधार पर जनगणना का विरोध कांग्रेस समेत अनेक राजनीतिक दल इसलिए कर रहे थे कि इससे जातिवाद और मजबूत होगा, जबकि एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में जाति तोड़ने के उपाय होने चाहिए। लेकिन राहुल गांधी ने जातीय जनगणना के पैरोकार बनकर ऐसे हालात पैदा कर दिए कि भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा। हालांकि भाजपा ने जातीय गिनती का कभी स्पष्ट रूप में विरोध नहीं किया। अलबत्ता देश की हकीकत यह है कि जाति तोड़ने के जितने भी सनातन उपाय किए गये हैं, वे असफल ही रहे हैं। विनायक दमोदर सावरकर ने तो हिन्दुओं का जातिगत ढांचा नष्ट करने का संकल्प भी लिया था, लेकिन वे विफल रहे। गणना की इस प्रणाली से कई अहम और नए पहलू सामने आएंगे।

मुस्लिम समाज में जातिप्रथा पर पर्दा

बृहत्तर हिन्दू समाज (हिन्दू, जैन, बौद्ध, सिख) में जिस जातीय संरचना को ब्राह्मणवादी व्यवस्था का दुष्चक्र माना जाता है, हकीकत में यह व्यवस्था कितनी पुख्ता है, इसका खुलासा होगा। मुस्लिम समाज में भी जातिप्रथा पर पर्दा डला हुआ है। आभिजात्य मुस्लिम वर्ग यही स्थिति बहाल रखना चाहता है, जिससे सरकारी योजनाओं के जो लाभ हैं वे पूर्व से ही संपन्न लोगों को मिलते रहें। जबकि मुसलमानों की सौ से अधिक जातियां हैं, परंतु इनकी जनगणना का आधार धर्म और लिंग है। अल्पसंख्यक समुदाओं में से एक पारसियों की घटती आबादी की स्थिति भी जातीय गणना से साफ होगी। क्योंकि हाल ही में इस समुदाय को प्रजनन सहायता योजना चलाकर जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। पिछड़ों की समृद्ध जातियां, जाति आधारित जनगणना कराए जाने पर इसलिए दबाव डालती चली आ रही थीं, जिसमें पिछड़ों को उनकी जातीय प्रतिशत के हिसाब से आरक्षण सुविधा का लाभ मिले। आर्थिक और शैक्षिक आंकड़े सामने आने पर आरक्षण की सुविधा से यदि धनी पिछड़ों को अलग किया जाता है तो इन आंकड़ों की महत्ता सार्थक होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को चार सौ पार रोकने में जातीय जनगणना और संविधान बदलने के मुद्दे विपक्ष के काम आए। इसी का परिणाम रहा कि उप्र में भाजपा की सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। इसी के चलते भाजपा स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से दो सीटें पीछे रह गई। पिछड़ने के इस कारण में उप्र के पिछड़ों की नाराजगी दिखाई दी।

आरक्षण जाति उत्थान का मूल नहीं

अतएव भाजपा और संघ असमंजस की स्थिति से उबरे और जातीय आधारित जनगणना कराने का अहम निर्णय ले लिया। जातिवार जनगणना और उससे वर्तमान आरक्षण पद्धति में परिवर्तन की

उम्मीद को लेकर पिछड़े तबके के अलंबदार लालू-मुलायम-शरद का जोर था कि पिछड़ी जातियों की गिनती अनुसूचित जाति व जनजातियों की तरह कराई जाए। क्योंकि आरक्षण के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 16 की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पहल जरूरी थी। लेकिन आरक्षण किसी भी जाति के समग्र उत्थान का मूल कभी नहीं बन सकता। क्योंकि आरक्षण के सामाजिक सरोकार केवल संसाधनों के बंटवारे और उपलब्ध अवसरों में भागीदारी से जुड़े हैं। इस आरक्षण की मांग शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार और अब ग्रामीण अकुशल बेरोजगारों के लिए सरकारी योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ गई हैं। परंतु जब तक सरकार समावेशी आर्थिक नीतियों को अमल में लाकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक नहीं पहुंचती तब तक पिछड़ी या निम्न जाति अथवा आय के स्तर पर पिछले छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार नहीं आ सकता। लेकिन यहां सवाल उठता है कि पूंजीवाद की पोषक सरकारें समावेशी आर्थिक विकास की पक्षधर क्यों होगी? देश के राज्यों में ऐसी कई जातियां हैं जो क्षेत्रीयता के दायरे में हैं। इतनी प्रत्यक्ष जातियां होने के बावजूद मुसलमानों को लेकर यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि ये जातीय दुष्चक्र की गुंजलक में नहीं जकड़े हैं। दरअसल जाति-विच्छेद पर आवरण कुलीन मुस्लिमों की कुटिल चालाकी है। इनका मकसद विभिन्न मुस्लिम जातियों को एक सूत्र में बांधना कतई नहीं है। गोया, ये इस छद्म आवरण की ओट में सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर एकाधिकार रखना चाहते हैं, जिससे इनका और इनकी पीढ़ियों को लाभ मिलता रहे। इसलिए धर्म आधारित मुस्लिम जनगणना में जाति का खाना भी अब सुनिश्चित होगा। इससे तय होता कि किस श्रेणी की कितनी मुस्लिम आबादी है। इनकी शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी स्पष्ट होगी। 1931 में हुई जनगणना में बिहार और उड़ीसा में मुसलमानों की तीन बिरादरियों का जिक्र है, मुस्लिम डोम, मुस्लिम हलालखोर और मुस्लिम जुलाहे। बाकी जातियों को किस राजनीतिक जालसाजी के तहत हटाया गया, इसकी पड़ताल हो तो अच्छा है। यदि ऐसा होता है तो वास्तविक रूप से आर्थिक बदहाली झेल रही जातियों को सरकारी लाभ योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। अल्संख्यक समूहों में इस वक्त हमारे देश में पारसियों की घटती जनसंख्या चिंता का कारण है। इस आबादी को बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने प्रजनन सहायता योजना समेत तीन योजनाओं को इसी वित्तीय वर्ष में लागू किया है। सर्वे के मुताबिक पारसियों की जनसंख्या 1941 में 1,14000 के मुकाबले 2011 में केवल 69000 रह गई। बीते दस साल में इनकी आबादी किस हाल में है, इसका खुलासा भी जातीय गणना से होगा।

घुसपैठियों के भी आंकड़े मिलेंगे

2011 की जाति आधारित जनगणना में ऐसे उपायों का भी सख्ती से पालन होगा, जिससे बांग्लादेशी घुसपैठिए इस पंजी में दर्ज नहीं होने पाएं? लेकिन ऐसा नहीं किया गया तो इन घुसपैठियों की भी गिनती हो जाएगी। ये घुसपैठिए देश के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने और सुरक्षा की दृष्टि से भारी बोझ हैं। केंद्र सरकार ने स्वीकार किया है कि देश में दो करोड़ से अधिक बांग्लादेशी नाजायज तौर से रह रहे हैं। अपने मूल स्वरूप में जनसंख्या में बदलाव एक जैविक घटना होने के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक व आर्थिक आधारों को प्रभावित करती है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना, मध्यान्ह भोजन, बीपीएल और एपीएल के माध्यम से आहार का आधार बनाए जाने के कारण भी सटीक जनगणना है। इसलिए जातिवार जनसंख्यात्म लक्ष्य देश के गरीब व वंचित वर्ग को खाद्य और पेयजल जैसी सुरक्षा का उपाय तो बनेंगे ही, सरकारी सेवाओं में आरक्षण किस जाति और वर्ग के अधिक जरूरी है, इसकी भी झलक मिलेगी।

दोधारी तलवार है जातिगत जनगणना

दो टूक

संदीप सृजन

स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार

जातिगत जनगणना एक ऐसा विषय है जो भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है। यह न केवल सामाजिक संरचना को समझने का एक उपकरण है, बल्कि नीति निर्माण और संसाधन वितरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि इसे सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत को एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की ओर ले जा सकता है। जातिगत जनगणना का इतिहास भारत में औपनिवेशिक काल से शुरू होता है। भारत में पहली बार व्यापक जनगणना 1881 में ब्रिटिश शासन के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें जाति के आधार पर भी आंकड़े एकत्र किए गए। यह प्रक्रिया 1931 तक नियमित रूप से हर दस साल में दोहराई गई। 1931 की जनगणना में विभिन्न जातियों और उपजातियों की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई, जो आज भी कई नीतियों और आरक्षण प्रणालियों के लिए आधारभूत डेटा के रूप में उपयोग की जाती है।

1951 में जातिगत गणना बंद हुई

उदाहरण के लिए, 1931 के आंकड़ों के आधार पर ही मंडल आयोग ने 1980 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। 1941 की जनगणना में भी जाति आधारित आंकड़े एकत्र किए गए, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य प्रशासनिक कारणों से इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। आजादी के बाद, 1951 की जनगणना में भारत सरकार ने जातिगत आंकड़े एकत्र करने को बंद करने का निर्णय लिया। केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े एकत्र किए जाने लगे, जबकि अन्य जातियों के लिए कोई अलग डेटा संग्रह नहीं किया गया। 2011 में, यूपीए सरकार ने सामाजिक- आर्थिक और जातिगत जनगणना आयोजित की, जो 1931 के बाद पहली बार जाति आधारित डेटा संग्रह का प्रयास था। लेकिन इस सर्वेक्षण के आंकड़े पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किए गए और इसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बिहार में 2023 में आयोजित जाति आधारित सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को फिर से राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। बिहार सरकार ने इस सर्वेक्षण को दो चरणों में पूरा किया, जिसमें पहले चरण में घरों की गिनती और दूसरे चरण में जातियों के आंकड़े एकत्र किए गए। केंद्र सरकार ने शुरू में इस सर्वेक्षण का विरोध किया, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया। 2025 में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे, जिसे कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स ने मंजूरी दे दी है।

जातिगत गणना के लाभ

जातिगत जनगणना के समर्थक इसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण उपकरण मानते हैं। जातिगत जनगणना से विभिन्न जाति समूहों की शिक्षा, रोजगार, आय और संपत्ति के वितरण में असमानताओं का सटीक आकलन किया जा सकता है। यह डेटा

नीति निर्माताओं को उन समुदायों की पहचान करने में मदद करता है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से सबसे अधिक हाशिए पर हैं। उदाहरण के लिए, बिहार के 2023 सर्वेक्षण ने दिखाया कि 84% आबादी सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर है, जिसने नीति निर्माण में नए दृष्टिकोण को जन्म दिया। सटीक जाति आधारित डेटा के आधार पर सरकारें विशिष्ट समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष जाति समूह में शिक्षा का स्तर बहुत कम है, तो उनके लिए विशेष शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। जातिगत जनगणना से यह स्पष्ट हो सकता है कि किन क्षेत्रों या समुदायों में संसाधनों की अधिक आवश्यकता है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जा सकता है जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। जातिगत जनगणना से नया डेटा मिलेगा, जिसके आधार पर आरक्षण कोटे को समायोजित किया जा सकता है। जातिगत जनगणना शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान डेटाबेस प्रदान कर सकती है, जिससे सामाजिक गतिशीलता, असमानता और विकास के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन संभव हो सकता है। जातिगत जनगणना से वंचित समुदायों को उनकी स्थिति सुधारने का अवसर मिलेगा, जिससे सामाजिक एकता मजबूत होगी और लोकतंत्र में उनकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। जातिगत जनगणना के विरोधी इसे सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से हानिकारक मानते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जातिगत जनगणना से समाज में जातिगत तनाव और ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर समूहों में बांट सकता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाती है, जिसके दुरुपयोग की आशंका रहती है। यदि यह डेटा गलत हाथों में पड़ता है, तो यह सामाजिक भेदभाव को और बढ़ा सकता है। जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न समुदाय आरक्षण की नई मांगें उठा सकते हैं, जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50% आरक्षण की सीमा पहले ही कई राज्यों में चुनौती का विषय है। जातिगत जनगणना जाति व्यवस्था को और मजबूत कर सकती है, क्योंकि यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के प्रति और अधिक जागरूक करेगी। इससे आधुनिक लोकतंत्र के 'सार्वभौमिक नागरिक बोध' को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना का डेटा राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति के लिए दुरुपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय दल विशेष रूप से इसका उपयोग अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए कर सकते हैं।

वर्तमान स्थिति और विश्लेषण

विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है। एक ओर, यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। यह उन समुदायों को मुख्यधारा में लाने में मदद कर सकता है जो ऐतिहासिक रूप से वंचित रहे हैं। दूसरी ओर, इसके गलत उपयोग से सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और जातिगत पहचान को और मजबूत करने का खतरा है। इसलिए, जातिगत जनगणना को लागू करने से पहले कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। पहला, डेटा संग्रह की प्रक्रिया को पारदर्शी और गोपनीय बनाया जाना चाहिए ताकि व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन न हो। दूसरा, आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त कानूनी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। तीसरा, जनगणना के परिणामों को केवल सामाजिक कल्याण और नीति निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए।

जिला कलेक्टर ने की खाद्य सुरक्षा योजना की समीक्षा
खाद्य सुरक्षा योजना सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन पत्र की जांच कर शीघ्र प्रक्रिया पूरी करे अधिकारी

मरूधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग,-, जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए, जिससे वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

खाद्य सुरक्षा योजना, डीएमआईएस पोर्टल और फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों की हुई समीक्षा

- जिला कलेक्टर उत्सव कौशल शनिवार को पंचायत समिति सभागार डीग में उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और विकास अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक ले रहे थे। उन्होंने बैठक में खाद्य सुरक्षा योजना, डीएमआईएस पोर्टल और फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों में किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत असक्षम/ पात्र लोगों के नाम खाद्य सुरक्षा सूची में जोड़े। जिला में खाद्य सुरक्षा से संबंधित 17000 अपील 2025 में की गई वहीं 13500 अपील 2022 में की गई थी। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जल्द ही लंबित अपील का निस्तारण करवाए। नगर उपखंड अधिकारी ने बताया कि उनके उपखंड में कुछ गांवों की पोर्टल मैपिंग न होने के कारण नाम जोड़ने में समस्या आ रही है। इसके संबंध में श्री कौशल ने जिला रसद अधिकारी को निर्देशित किया कि वे उपनिदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए जिले के विभिन्न गांवों में आ रही मैपिंग की समस्याओं का शीघ्र निराकरण करवाए। खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जोड़ने के लिए प्रथम लेवल पर उपखंड अधिकारी द्वारा बीडीओ और ईओ को अपील के अवलोकन के लिए भेजा जाता है। अंतिम स्तर पर कमिटी द्वारा रिपोर्ट जारी करने के पश्चात वापस अपील बीडीओ और ईओ से होते हुए उपखंड अधिकारी के पास आती है जिनके अनुमोदन से नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी होती है। ग्रामीण स्तर पर कमिटी में बीएलओ, सेक्रेटरी और पटवारी सम्मिलित होते है एवं शहरी क्षेत्र में बीएलओ, पटवारी और नगरी निकाय का एक कार्मिक शामिल किया जाता है।

फार्मर रजिस्ट्री शिविर में रजिस्ट्रेशन के बाद ही लाभार्थी उठा पाएंगे प्रधानमंत्री किसान योजना का लाभ

बैठक में 2022 खाद्य सुरक्षा योजना के लंबित प्रकरणों पर भी चर्चा की गई और उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा डीएमआईएस पोर्टल पर डाटा अपलोड करने के लिए विकास अधिकारीयों को निर्देशित किया गया। बैठक में बताया गया कि 1 से 31 मई तक पीएम किसान योजना में पंजीकरण किया जाएगा। इसमें 10 प्रकार की एक्टिविटी होगी। पीएम किसान के लाभार्थी जिनकी मृत्यु हो चुकी है उनका चिन्हीकरण करते हुए आईडी डीएक्टिवेट की जाएगी। यदि मृतक के उत्तराधिकारी मौजूद है तो योजना का लाभ उन्हें दिया जाएगा। फार्मर रजिस्ट्री कैंप के साथ पीएम किसान योजना की मैपिंग पटवारी स्तर पर की जाएगी। उल्लेखनीय है कि फार्मर रजिस्ट्री शिविर में रजिस्ट्रेशन के बाद ही प्रधानमंत्री किसान योजना का लाभ लाभार्थियों को मिल सकेगा। जिन लाभार्थियों के पास ई-केवाईसी या आधार सीडिंग नहीं है वे भारतीय पोस्ट बैंक में खाता खुलवाकर योजना का लाभ उठा सकते हैं। हीट वेव के मद्देनजर जिला कलेक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों, तहसीलदार और बीडियो को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में पड़ने वाले अस्पताल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा ले। उन्होंने विशेष रूप से दवाइयों की उपलब्धता, पेयजल, बैठक व्यवस्था, कूलर पंखा सहित अन्य आवश्यक प्रबंध के अवलोकन के निर्देश दिए। इस दौरान किसी प्रकार की कमी-बेशी पाए जाने पर समुचित समाधान करने की भी बात की गई।

जिले को मिली एएलएस एम्बुलेंस, मरीजों को मिलेगी राहत
जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने दिखाई हरी झंडी

मरूधर विशेष

कोटपूतली, जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने जिले को प्राप्त एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस को जिला कलेक्ट्रेट भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि यह एम्बुलेंस वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सहित अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित है। इसमें एक प्रशिक्षित नर्सिंगकर्मी भी तैनात किया गया है। यह सेवा मरीजों को उच्च स्तर पर रैफर करने में सहायक होगी। इस दौरान संयुक्त निदेशक डॉ. यदुराज सिंह, डीपीएम योगेश कुमार, डीएनओ रविकांत जांगिड़, जिला समन्वयक अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

परीक्षा केन्द्रो की सुरक्षा व्यवस्था का किया निरिक्षण कस्बे दो जगह होगी नीट की परीक्षा

मरुधर विशेष सुनीता सैनी

बावल कस्बे मे दो जगहों पर नीट की परीक्षा सेंटर बनाये गए है सुचारु व् शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन नें पूरी तैयारी कर ली है कन्या महाविधालय और पीएम श्री जवाहर नवोधय स्कूल मे परीक्षा सेंटर बनाये गए है तैयारीयों का जायजा लेने के लिए पुलिस गुप्तचर विभाग नें निरिक्षण किया कन्या सीनियर सेकेण्डरी स्कूल मे 240छात्र छात्राये परीक्षा केंद्र मे बैठेंगे सुरक्षा के लिए 16कैमरे 6जेमर लगाये गए है जिससे परीक्षा में पारदर्शिता बरती जा सके सीसीटीवी युक्त कमरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ग्यारह बजे एंट्री होंगी डेढ़ बजे तक प्रवेश किया जायेगा दो से पांच बजे तक परीक्षा होंगी बिजली वह पानी की उचित व्यवस्था की गई है परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करने के लिए डॉग स्क्राड की टीम नई परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया है

राजकीय जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास डुंगरा छोटा का तहसीलदार सोनी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: राजकीय जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास डुंगरा छोटा का तहसीलदार हरिश सोनी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। छात्रावास अधीक्षिका प्रिया उपस्थित मिली हीट वेव से बचाव हेतु छात्राओं को जानकारी दी गई। खाद्यान्न भोजन शाला इत्यादि की जांच की गई साफ सफाई करवाने, इन्वेटर सुधरवाने परिसर में खेल सामग्री उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

नगर पालिका के कचरे का निस्तारण हेतु नगर के जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं की एक बैठक

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: नगर पालिका के कचरे के निस्तारण के समाधान के लिए जिला कलेक्टर से मिलकर समाधान किया जाएगा निर्णय लिया गया। नागनाथ महादेव मंदिर परिसर में नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र आहारी की उपस्थिति में नगर के जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं की एक बैठक में प्रमुख रूप से नागनाथ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित की गई महादेव मंदिर के सामने बने परिसर में लंबे समय से कचरा के ढेर लगा हुआ है जहां कचरे का निस्तारण नहीं होने से अपशिष्ट पदार्थ गोवंश खा लेते हैं कचरे के ढेर में प्लास्टिक में आग लग जाती है ऐसे में उसकी धूआ और कचरे की बदबू से राहगीर और मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है इसको लेकर बैठक आज आयोजित की गई।नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र आहारी ने कहा कि जिला प्रशासन ने कुशलगढ़ के लिए गांव हिंडोलिया चारण में पालिका कचरा निस्तारण के लिए भूमिआवंटित की किंतु ग्रामीणों का विरोध की वजह से उसे स्थान पर कचरा नहीं ले जाया जा रहा है स्थिति उत्पन्न हो रही है पालिका अध्यक्ष जितेंद्र अहारी कहा कि हमें एक प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर को मिलकर इस समस्या का समाधान के लिए स्थाई समाधान करना होगा। पूर्व पालिका अध्यक्ष व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रेखा जोशी ने कहा कि कचरा निस्तारण के लिए हमें भूमि आवंटित के लिए जिला कलेक्टर से मिलना है किंतु कई जिम्मेदारियां पालिका के साथ हमारी भी है जहां में प्लास्टिक के उपयोग और अन्य चीजों पर हमें भी पालिका का सहयोग करना चाहिए हम सब मिलकर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास करें पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा जिनेंद्र सेठिया आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हो कहा कि हमें कोई ठोस निर्णय लेना होगा और कचरा निस्तारण के लिए स्थान चयन कर और उनकी दीवारें ऊंची बनाया जाए प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध किया जाए और गोवंश के मालिकों द्वारा उन्हें खुला छोड़ देते हैं होने पाबंदी किया जाए इस समस्या का समाधान की बात कही।

कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस अलर्ट मोड़ पर

कोई भी संदिग्ध गतिविधि देखे जाने पर नजदीकी पुलिस थाने में सूचना देने की अपील

शिक्षण संस्थाओं में जाकर विधार्थियों को समझा रहे पुलिस अधिकारी

अशोका कोचिंग संस्थान में बालिकाओं को किया जागरूक

मरूधर विशेष

कोटपूतली, एक ओर जिले में जहाँ पुलिस द्वारा सघन सर्च अभियान शुरू किया गया है। वहीं विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में जाकर अधिकारी विधार्थियों को भी अलर्ट रहने की अपील कर रहे है। पुलिस का कहना है कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि देखे तो उसकी सूचना बेझिझक नजदीकी पुलिस थाने में देवें। इसी क्रम में एएसपी वैभव शर्मा कस्बा स्थित अशोका कोचिंग संस्थान पहुँचे। जहाँ उन्होंने छात्राओं को विभिन्न जानकारी देते हुये बालिका कानूनों के प्रति जागरूक किया। साथ ही छात्राओं को कालिका पैट्रोलिंग यूनिट के बारे में जानकारी देते हुये किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उनसे सम्पर्क करने का तरीका बताया। इस दौरान कोटपूतली एसएचओ राजेश शर्मा, हैड कानि. समशेर सिंह यादव व धर्मपाल खटाना भी मौजूद रहे। संस्थान की ओर से निदेशक इंजी. विक्रम कसाना, राजेश चौधरी व योगेश चौधरी ने पुलिस अधिकारियों का आभार जताया। प्रधानाचार्य पूरण कसाना व सुदीप चौधरी ने अधिकारियों का स्वागत किया।

उप कारागृह कोटपूतली का औचक निरीक्षण नहीं मिली कोई प्रतिबंधित सामग्री एवं आपत्तिजनक वस्तु

मरूधर विशेष

कोटपूतली, कस्बे के रामसिंहपुरा रोड़ स्थित उप कारागृह में शनिवार को पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार सघन चैकिंग की गई। उल्लेखनीय है कि कारागृहों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु कारागृहों की समय-समय पर सघन चैकिंग करने के लिये निर्देशित किया गया है। जयपुर रेंज आईजी अजयपाल लाम्बा व एसपी राजन दुष्यंत के निर्देशन एवं एएसपी वैभव शर्मा के सुपरविजन में शनिवार को एसडीएम बृजेश चौधरी की मौजूदगी में डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के नेतृत्व में स्थानीय थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा मय जाप्ता, पनियाला थानाधिकारी मोहरसिंह मय जाप्ता, सरुण्ड थानाधिकारी बाबूलाल मीणा मय जाप्ता, महिला पुलिस थाना कोटपूतली व रिजर्व पुलिस लाईन के जाप्ते को साथ लेकर समुचित पुलिस बल की तीन टीमें गठित कर उपकारागृह का तीनों टीमों द्वारा एक साथ औचक निरीक्षण कर जेल में बंद विचाराधीन बंदियो के रहने के लिये बनी बैरिक्स व जेल परिसर की गहनता से तलाशी/चैकिंग की गई तथा जेल में बंद विचाराधीन कुल 129 बंदियों से वार्ता कर जानकारी ली गई। चैकिंग के दौरान कोई प्रतिबंधित सामग्री नहीं मिली व ना ही कोई आपत्तिनजक वस्तु मिली। भविष्य में भी समय समय पर नियमित रुप से जेल चैकिंग की जाती रहेगी।

मौलावास में बालिकाओं और महिलाओं को नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण का हुआ उद्घाटन

मरूधर विशेष

मुंडावर (रमेश चंद) मुण्डावर क्षेत्र के गाँव मोलावास मे शनिवार को महेश कम्प्यूटर्स में बालिकाओं और महिलाओं को नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण का भीमराज यादव जिला पार्षद,नरेन्द्र कुमार यादव पूर्व सरपंच, रविन्द्र यादव समाजसेवी ने फीता काटकर सरस्वती की प्रतिमा समक्ष दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया और नि:शुल्क पुस्तकों का वितरण किया गया। सेंटर संचालक महेश कुमार द्वारा पूर्व में पास होने वालों बच्चों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। साथ ही बच्चों को कम्प्यूटर कौशल में निपुणता हाशिल करने के लिए प्रेरित किया। ताकि बच्चों को आई टी के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हो। उद्घाटन समारोह में नरेश, बिजेन्द्र, संदीप, सौरव, वीएलई रविना, रिया, रितिका, नेहा, वर्षा, हिमांशी, नित्या, कोमल, हेमलता, कुमकुम, एकता, सपना, सुशीला, पूनम आदि उपस्थित रहे।

परशुराम चरितम का विमोचन

इतिहास की सही व्याख्या समय की मांग- शर्मा

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: (बांसवाड़ा) प्राचीन काल के इतिहास को मुगल काल में नया मोड़ देकर समाजों में विषमताएं बढ़ाई गयी हैं। उस पौराणिक इतिहास की सही व्याख्या करना समय की मांग है। यह बात सेवा निवृत्त न्यायाधीश अजय शर्मा ने शनिवार को परशुराम मन्दिर पर कही। शर्मा द्वारा सम्पादित पुस्तक परशुरामचरितम का विमोचन किया गया। विजय संस्कार के निमित्त प्रकाशित पुस्तक की उन्होंने सप्रसंग व्याख्या की। अनुष्ठान के प्रधान आचार्य किशोर शुक्ला ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दोनों मंदिरों में पूजा अर्चना करवाई। इस मौके पर विप्र फाउंडेशन के प्रदेश महामंत्री योगेश जोशी, स्वामी विवेकानन्द महाराज, जिलाध्यक्ष ललित जोशी, परशुराम संस्थान के संयोजक महेश जोशी, अनुष्ठान के संयोजक विनोद पानेरी, जिला महामंत्री शशि कुमार शर्मा, शरद त्रिवेदी, ईश्वरदास वैष्णव, केशव सेवक, विनोद व्यास बड़ोदिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस मौके पर पूर्व न्यायाधीश शर्मा ने लिमथान के पौराणिक महत्व को राष्ट्र स्तर पर प्रसारित करने के लिए कार्य योजना तैयार करने का संकल्प लिया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सेफ्टी कल्चर एवं बी बी एस मैनेजमेंट विषय पर आयोजित

मरूधर विशेष

अलवर। नेशनल सेफ्टी काउंसिल राजस्थान चैप्टर, फैक्टरीज एवं बॉयलर्स इंस्पेक्शन डिपार्टमेंट राजस्थान सरकार, दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स इंडिया अलवर लोकल सेंटर एवं सेफ्टी एंड क्वालिटी फोरम न्यू दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'सेफ्टी कल्चर एवं बी बी एस मैनेजमेंट' विषय पर अलवर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स भवन पर आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में उद्यमियों ने इस सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में सउत्साह भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जे सी सिंघल अध्यक्ष 'सेफ्टी एंड क्वालिटी फोरम'- 'आई ई आई', विशिष्ट अतिथि हरि शंकर, डिप्टी चीफ (केमिकल) फैक्टरीज एवं बॉयलर्स विभाग राजस्थान सरकार, जगमोहन मीणा डिप्टी चीफ फैक्टरीज एंड बॉयलर्स विभाग राजस्थान सरकार अलवर, प्रवीण कुमार सिंह डायरेक्टर 'सेफ्टी एंड क्वालिटी फोरम'-'दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया' एवं विषय वक्ता अरुण मौर्य असिस्टेंट डायरेक्टर 'सेफ्टी म्यूजियम एंड ट्रेनिंग सेंटर' जयपुर, मुख्य वक्ता हरीश मित्तल उप महा प्रबंधक 'सेंटल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी' रहे । 'दी इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया' अलवर के अध्यक्ष पीके शर्मा ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा मानद सचिव पंकज तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन जारी
श्री कृष्ण रुकमणी विवाह की सजाई झांकी

मरूधर विशेष

कोटपूतली, कस्बे के लक्ष्मी नगर स्थित श्रीराम मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा के छठे दिन शनिवार को श्री कृष्ण-रुकमणी विवाह की झांकी सजाई गई। इस दौरान कथा में आई महिलाओं ने बड़ी संख्या में कन्यादान में वस्त्रों का दान किया। कथा व्यास सुदामा दास महाराज वृंदावन वाले ने भक्तों को कंस वध, श्री कृष्ण रुकमणी विवाह की कथा सुनाई। इस दौरान प्रातः प्रभात फेरी लक्ष्मी नगर के सदस्यों ने मंदिर महंत रामवचन दास महाराज व सीताराम दास महाराज को भेंट समर्पण की। इस मौके पर मक्खन दास महाराज, पं. बजरंग शर्मा, जगदीश मीणा, रामविलास सिंघल, कमल जांगिड़, अनिल जांगिड़, अरुण गर्ग, विजय आनंद भारद्वाज, पप्पू प्रजापत, केशव टेलर, सुरेश मेहरा, सुरेश सैनी, रोहिताश सैनी, सतीश यादव, जितेंद्र जलेन्द्रा, पूर्व पार्षद भीखाराम सैनी, पूर्व सरपंच शिंभूदयाल गर्ग, सुभाष चन्द समेत अनेक श्रद्धालू मौजूद रहे।

शराब दुखांतिका पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का सरकार पर तीखा हमला, बोले मौका परस्त फेलियर सरकार और प्रशासन मौत का जिम्मेदार

मरूधर विशेष

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के सिलीसेढ़ क्षेत्र के निकट गांवों में जहरीली शराब से हुई मौत के मामले में राजस्थान प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली बोले मौका परस्त सरकार और प्रशासन इन मौतों का जिम्मेदार हैं। जूली शनिवार को ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के पैंतपुर, बख्तपुरा और किशनपुर गांव में जहरीला शराब से हुई मौत के बाद मृतकों के परिजनों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अवैध शराब कारोबार और दोषियों के खिलाफ सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में अब शराब का कारोबार बदस्तूर जारी है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से हुई मौत दुखद और पीड़ादायक है, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा मिले और अवैध शराब के कारोबारी और पूरे मामले में संदिग्ध पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को न्याय संगत कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से हुई मौतों की झकझोर देने वाली इस घटना में किसी ने अपना बेटा खो दिया तो किसी के सिर से पिता का साया उठ गया, बावजूद इसके पुलिस और प्रशासन इन मौतों को जहरीली शराब से होना नहीं मान रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन मौत के दूसरे कारण गिना रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब का कारोबार बिना प्रशासन व पुलिस की मिलीभगत के संभव नहीं है।

अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में शराब दुखांतिका मामले में अलवर प्रशासन के उदासीन रवैये से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्य सचिव राजस्थान को अवगत कराया है।

जूली ने पत्र के माध्यम से मुख्य सचिव को बताया कि जहरीली शराब से ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में आठ लोगों की मौत हो गई है, इस संबंध में जिला कलेक्टर को एक कार्य दिवस में वस्तुस्थिति की रिपोर्ट चाहिए थी जो आज तक मेरे कार्यालय में प्राप्त नहीं हुई है,ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अलवर प्रशासन की यह अनदेखी किसी प्रकार से जनहित में नहीं है।

जूली ने पत्र में लिखा कि पीड़ित परिवारों के साथ न्याय करते हुए जिला कलेक्टर अलवर व अन्य संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दें अन्यथा जवाबदेही तय कर अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

इस दौरान पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा, पूर्व प्रधान शिवलाल गुर्जर, उप प्रधान महेश सैनी, संजीव बारेठ,उमरदीन खान, नरेंद्र सावित्री मीणा,साजिद खान, ओमप्रकाश गोलियां, निहाल गुर्जर, नवाब खान, सेकुल सिंगल, के के खंडेलवाल उपस्थित रहे।

बूंदी जिले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल संवाददाता

केशोरायपाटन शुगर मिल चौराहे आबादी क्षेत्र में जल्द पानी की पाइपलाइन का होगा कार्य शुरू

मरूधर विशेष

ओरब्रिज कार्य की वजह से पार्षद अशोक बाई मेघवाल सहायक अभियंता को ज्ञापन देकर टूटे हेड पंप एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने , आबादी क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने की की मांग ,इस पर सहायक अभियंता द्वारा आश्वासन दिया गया कि एकता कालोनी में जल्दी क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन डाली जाएगी पार्षद ने पूर्व में पंचायत समिति जनसुनवाई में संभागीय आयुक्त व उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर अवगत करवाया था

नाघोड़ी में चमत्कारी बाबा हनुमान जी महाराज का विशाल मेला व भंडारा का आयोजन

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना नगर पालिका क्षेत्र के नाघोडी गांव के पास घीलौट पर स्थित शनिवार को चमत्कारी बाबा हनुमान जी महाराज का विशाल मेला व भंडारे का आयोजन है। समाजसेवी धर्मवीर यादव ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंडावर विधायक ललित यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शीतल नाथ महाराज कालिया पहाड़ आश्रम, नीमराना किन्नर समाज गुरु मधु किन्नर के द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान आसपास के ग्रामीणों के द्वारा बाबा के दर पर पहुंच कर मत्था टेककर परिवार की खुशहाली के लिए कामना की। मेले के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने बाबा का प्रसाद ग्रहण किया गया।मेले के दौरान कुश्ती कामड़े का आयोजन हुआ।कुश्ती कामडा पुरुस्कार राशि 31हजार रूपये की रही।पहलवानों को द्वारा जमकर पसीना बहाया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बीजेपी नेता इंद्र यादव, समाजसेवी अंकित यादव फौलादपुर, जिला पार्षद वेद प्रकाश खबरी,योगेश भारद्वाज, समाजसेवी सोनू यादव दौलतसिंहपुरा रहे। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन धर्मवीर यादव के द्वारा किया गया।इस अवसर पर केशव प्रजापत, कृष्ण यादव,दीपचंद पंच, सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सैन,तेजपाल,भीमसिंह, संजय यादव,जलेसिंह यादव, पूर्व शिक्षा निदेशक लक्ष्मण प्रसाद,केशव देव, चोखाराम,सीताराम,लालाराम, अशोक एच आर,भोमसिंह यादव सहित काफी संख्या में आसपास के श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रेमिका की हत्या के बाद प्रेमी फंदे से लटका, दोनों का हो चुका था तलाक

हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ में प्रेमी ने अपनी प्रेग्नेंट प्रेमिका की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद प्रेमी ने खुद भी फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। मामला संगरिया थाना इलाके के ढाबां गांव का है। संगरिया सीओ करण सिंह ने बताया कि राजू सिंह (50) अपने घर में सुमन (25) के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। सुबह 8 बजे तक दोनों जब घर से बाहर नहीं निकले तो पड़ोसी ने उसके घर पर जाकर देखा। जहां फर्श पर सुमन का शव नग्न अवस्था में पड़ा था और राजू सिंह फंदे से लटका पड़ा था। सीओ करण सिंह ने बताया कि राजू सिंह की 15 साल पहले शादी हुई थी। बाद में पत्नी से मनमुटाव होने के बाद तलाक दे दिया था। राजू सिंह का पहली पत्नी से एक लड़का है, जो पत्नी से तलाक के बाद से ननिहाल में ही रहता था। सीओ करण सिंह ने बताया कि सुमन की 10 साल पहले भगतपुरा निवासी कर्मजीत सिंह से शादी हुई थी। उसके दो लड़के भी हैं। उसके बाद सुमन अपने पति का साथ छोड़कर राजू सिंह के पास रहने के लिए आ गई। सुमन गर्भवती भी थी। सीओ करण सिंह ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) और मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने दोनों के शवों को संगरिया अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया है। मामले की जांच जारी है।

रींगस में टेंपो-कैंपर भिड़ंत में 2 की मौत, 5 गंभीर घायल जयपुर रेफर

रींगस

खाटूश्याम जी जा रही कैंपर जीप ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। घायलों में से 5 की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर किया गया है। हादसा सीकर के रींगस में शनिवार सुबह 3 बजे हुआ। रींगस थाना एसआई राजेश कुमार ने बताया कि घटना खाटूश्याम जी रोड पर करणी माता मंदिर के पास हुई। मृतकों की पहचान टेंपो ड्राइवर नरेंद्र जाट (35) निवासी अमरसर और दिल्ली निवासी गुद्रा (60) के रूप में हुई है। गुद्रा खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए दिल्ली से आई थीं। शनिवार सुबह तड़के वह रींगस रेलवे स्टेशन से टेंपो में सवार हुई थीं। पुलिस ने बताया कि हादसे में 8 लोग घायल हुए। इनमें से बलवंत, प्रिया, पंकज, रजनीश और सुमन की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों को स्थानीय राजकीय उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।. घटना के बाद कैंपर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घायलों में सुरेंद्र (26), अंकुर (18) और राजन (20) भी शामिल हैं, जिनका रींगस अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर नरेंद्र पिछले दो साल से कोटड़ी धायलान निवासी पूरणमल का टेंपो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके पिता नानूराम खेती-बाड़ी का काम करते हैं। मृतक नरेंद्र चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसके दो पुत्र और एक पुत्री हैं। थाना एसआई राजेश कुमार ने बताया कि मृतक के भाई झाबरमल ने कैंपर जीप चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। मुकदमा दर्ज करके शवों का पोस्टमॉर्टम करवा दिया गया है और घायलों का इलाज चल रहा है।

कोटा में घोड़ी पर बैठे दूल्हे पर चाकू से हमला, हमलावर दुल्हन के गांव के

कोटा

कोटा में बारात में घोड़ी पर बैठे दूल्हे पर चाकू से हमला कर दिया । हमले के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। भगदड़ में 2 से 3 बाराती घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दूल्हे को कोटा के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। घटना देवली मांझी के खाती खेड़ा गांव में 2 मई की रात की है। ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि यह मामला एक ही समाज के लोगों के बीच हुए विवाद का है। परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर किया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावर युवक दुल्हन के गांव का ही रहने वाला है। पुलिस झगड़े के कारणों की जांच में जुटी हुई है। दूल्हे के चचेरे भाई पवन ने बताया- केशवरायपाटन के इंद्रपुरिया गांव निवासी दूल्हे लक्ष्मीनारायण की बारात लेकर चारचोमा के पास स्थित खातीखेड़ा गांव आए थे। रात करीब 9.45 बजे जब बारात दुल्हन के घर की तरफ जा रही थी, तभी दुल्हन के घर से 500 मीटर पहले 2-3 युवकों ने हंगामा कर दिया। हमलावरों ने घोड़ी पर सवार दूल्हे लक्ष्मीनारायण की पीठ पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह नीचे गिर गया। इस घटना के बाद बारात में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ में 2-3 बाराती भी घायल हो गए। दूल्हे की पीठ पर दो गहरे घाव पाए गए हैं। अभी तक दूल्हे की तबीयत में सुधार नहीं आया है। हमले के बाद शादी भी नहीं हो पाई। फिलहाल हमलावर युवकों की पहचान नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना इलाके में पहली बार हुई है, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लक्ष्मीनारायण 5 भाई-बहन में सबसे बड़ा है। गांव में किराना की दुकान चलाता है। प्रतियोगी परीक्षा (लाइब्रेरियन) की तैयारी भी कर रहा है। लक्ष्मीनारायण की दो बहनों की शादी हो चुकी। तीसरी बहन की शादी की तैयारी चल रही थी। लक्ष्मी नारायण के पिता धर्मराज खेती करते हैं।

किरोड़ी बोले- मुरारी के चक्कर में इस्तीफा देना पड़ा था, 9 महीने का वनवास भी करा दिया

दौसा

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा- सांसद मुरारीलाल मीणा के चक्कर में मुझे इस्तीफा देना पड़ा। अगले ने इस्तीफा भी दिलवा दिया और 9 महीने का वनवास भी करा दिया। 9 महीने तक तो मैं यूं ही घूमता रहा, उसे चाहे अवकाश ही मान लो। लेकिन अब मैं भरोसा देना चाहता हूं कि किसानों की योजनाओं में किसी प्रकार का लीकेज नहीं होगा और किसानों को फायदा मिलेगा। किरोड़ी ने कहा- पूर्व सीएम अशोक गहलोत की ईमानदारी पर किसी प्रकार का प्रश्नचिह्न नहीं लगाना चाहता, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तैयारी करने वाले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। गहलोत सरकार में पेपर, परीक्षा, पानी सब लीक हो गया था। दरअसल, डॉ. किरोड़ी शनिवार को दौसा में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता ऑफिस का उद्घाटन करने पहुंचे थे। यहां कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। कैबिनेट मंत्री ने कहा- मनरेगा में गड़बड़ी रोकने के लिए एक पोर्टल बनाया है, जिसके जरिए 1200 करोड़ रुपए बचा लिए, मतलब 1200 करोड़ का घोटाला होने से बचा लिया। योजनाओं को सही तरीके से लागू कर भ्रष्टाचार रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि योजनाओं में कहीं कोई कमी हो तो आवाज उठाओ। दौसा में किसी भी विभाग में कोई गड़बड़ घोटाला हो, जनता को योजनाओं का फायदा नहीं मिले, अधिकारी काम नहीं करें तो मेरी जानकारी में लाओ। अधिकारी को 48 डिग्री तापमान में दौड़ लगवाने की जिम्मेदारी मेरी है। गड़बड़ी करने वाले 4 अधिकारियों को सस्पेंड कर चुका हूं। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा को बधाई देते हुए कहा- मैं 45 साल से राजनीति कर रहा हूं, लेकिन कोई एक जाति के आधार पर आप राजनीति में लंबे नहीं चल सकते। सभी जाति-समाज को साथ लेकर चलना है। चुनाव जीतने के बाद सबके लिए काम करना चाहिए। नांगल राजावतान क्षेत्र के एक बच्चे का वीडियो बार-बार वायरल किया जाता है, जो पहले विधायक की गैंग में था। मैं भरोसा देना चाहता हूं कि कोई भी व्यक्ति ऐसी भाषा बोलेगा, तो वह मेरा दुश्मन है। मैं तो ऐसी बातों पर कभी ध्यान ही नहीं देता, जबकि एक समाज के बच्चे मुझे बहुत गालियां देते हैं। उन्होंने कहा- राज बदलने के बाद अधिकारियों को बदलना जरूरी होता है। सांसद मुरारीलाल ने कहा कि मेरे भांजे की बहू को मलारना डूंगर लगवा दो तो मैंने उसे वहां लगवा दिया। फिर सांसद ने लालसोट विधायक को कहकर भांजे की बहू को लालसोट क्षेत्र में लगवा लिया। लेकिन पिछले शासन में भारी भेदभाव करने वाले अधिकारियों को तो नहीं छोड़ा जाएगा। चुनाव के दौरान लोगों ने भ्रम फैलाया कि किरोड़ी और मुरारीलाल मीणा तो एक हैं, जबकि सब नेता अपनी पार्टी के लिए काम करते हैं। मैं कभी जाति की बात नहीं करता, क्योंकि मैं संघ की शाखा में खेला-कूदा हूं, जहां कभी जाति की बात ही नहीं होती। कैबिनेट मंत्री ने कहा- दौसा समेत पूरे प्रदेश में पेयजल की विकट समस्या बनी हुई है। जहां भी जाते हैं, लोगों की पहली मांग पानी को लेकर ही होती है। ईआरसीपी-पीकेसी योजना से प्रदेश के 20 जिलों में पानी पहुंचेगा, इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने 67 हजार करोड़ की स्वीकृति दी है। चंबल यहां से बहुत दूर है और सपने में भी नहीं सोच सकते थे कि चंबल का पानी दौसा आ जाएगा। साल 2009 में सांसद बनने के बाद 2010 में ईसरदा के पानी की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन किया था। इसके बाद क्रियान्विति हुई। किरोड़ी मीणा ने कहा- ईआरसीपी से जिलों के 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को पानी मिलेगा। ईआरसीपी में जिले का एक भी बांध नहीं जोड़ा गया था, लेकिन नई सरकार ने सभी बांधों को जोड़ दिया है। सांसद को कहूंगा कि चांदराना बांध में भरपूर पानी भरकर बाणगंगा में छोड़ दिया जाए तो भरतपुर तक नदी किनारे के गांवों का जल स्तर बढ़ेगा। यह केंद्र सरकार काम का है, इसके लिए सभी को जोर लगाना पड़ेगा। किरोड़ी ने कहा- कभी किसी ने नहीं सोचा होगा कि दिल्ली- मुंबई की कनेक्टिविटी हमारे जिले को मिलेगी। यह नरेंद्र मोदी सरकार में ही संभव हो सका है।

बांदीकुई में इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों का आरोप-इंजेक्शन लगाने के बाद बिगड़ी तबीयत

बांदीकुई

हाथ-पैरों में दर्द की शिकायत पर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां अस्पताल में उसे ड्रिप लगाई गई। इसके बाद महिला की तबीयत ज्यादा खराब होने पर परिजन उसे बांदीकुई अस्पातल लेकर निकले, मगर रास्ते में महिला की मौत हो गई। मामला दौसा जिले के आभानेरी सरकारी अस्पताल का है। बांदीकुई थाना क्षेत्र के कलाली का बास निवासी विश्राम गुर्जर ने बताया- शनिवार को वह पत्नी पारा देवी (48) के हाथ पैर में दर्द की शिकायत हुई। इस पर वह उसे दोपहर एक बजे आभानेरी के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टर सुशील सैनी ने बिना किसी जांच के आयरन का इंजेक्शन ड्रिप में लगा दिया। ड्रिप लगने के 2 मिनट बाद ही पारादेवी को घबराहट होने लगी। इसके बाद डॉक्टर ने तुंरत ड्रिप हटा दी। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर इलाज करने की बजाय अस्पताल से भाग गया। हालत बिगड़ने के बाद परिजन उसे बांदीकुई ले जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में पारादेवी की मौत हो गई। जब पारा देवी को दोपहर 1.30 बजे बांदीकुई उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया-पारा देवी आंगनवाड़ी में आशा सहयोगिनी के पद पर उनबड़ा गांव में काम करती थी। घटना की सूचना के बाद बांदीकुई उप जिला अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजन अस्पताल के बाहर धरने पर बैठ गए और डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। परिजनों ने कहा कि जब तक डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, वे शव का पोस्टमॉर्टम नहीं कराएंगे। पुलिस मौके पर पहुंचकर परिजनों से बातचीत कर रही है। वहीं मामले को लेकर आभानेरी अस्पताल के डॉक्टर सुशील सैनी से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन स्विच ऑफ मिला। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बनवारी लाल ने बताया-महिला के खून की कमी होने के कारण आयरन का इंजेक्शन ड्रिप में चढ़ाया गया था। जिसके बाद महिला की अचानक तबीयत खराब हो गई और उसकी मौत हो गई। मामले की जांच कर रहे हैं। इसके बाद ही कुछ बताया जा सकेगा। मामले की सूचना के बाद एसडीएम रामसिंह राजावत, तहसीलदार राजेश सैनी, थाना प्रभारी जहीर अब्बास उप जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से वार्ता की।

बांसवाड़ा में विदेशी नागरिकों की जांच तेज, एक बांग्लादेशी युवक को पकड़ा

बांसवाड़ा

बांसवाड़ा जिले में अब पुलिस बांग्लादेशियों की तलाश में है। बीते दो दिन में पुलिस ने करीब 12 लोगों को पकड़ा है, जो कि पश्चिम बंगाल के रहने वाले बताए गए हैं। ऐसे में उनका वेरिफिकेशन करने के लिए दस्तावेज पश्चिम बंगाल भेजे गए हैं। वहीं जानकारी मिली है कि कलिंजरा के पास एक संदिग्ध युवक को पकड़कर उससे पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए युवक ने खुद को बांग्लादेशी बताया है। वह अवैध रूप से बॉर्डर पार कर कोलकाता पहुंचा और वहां से फिर बांसवाड़ा आया है। फिलहाल पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने उससे पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं पुलिस सूत्रों का कहना है कि पकड़ा गया युवक हिंदू है, जो बांग्लादेश का रहने वाला है। इधर गढ़ी थाना पुलिस ने भी परतापुर और गढ़ी में मुस्लिम क्षेत्र में जाकर घर-घर लोगों से पूछताछ की। संदिग्ध लोगों से उनके दस्तावेज मंगवाकर उनकी जांच की जा रही रही। डीएसपी सुदर्शन पालीवाल के नेतृत्व में यह अभियान गढ़ी विधानसभा क्षेत्र में शुरू किया गया। एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने बताया कि यह अभियान पूरे जिले में शुरू किया गया है। गौरतलब है कि शुक्रवार को जब सल्लोपाट थाना क्षेत्र से अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने लल्ला बिहारी को गिरफ्तार किया, उसके बाद जिले में जांच तेज हो गई है।

पानी की मांग को लेकर सड़क पर उतरे लोग, जाम लगाकर किया धरना-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर में आज होमलैंड सिटी लोगों ने पानी की भारी किल्लत के चलते सूरतगढ़ रोड पर जमकर प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर धरना दे दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइनें लग गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे दो साल से पेयजल संकट झेल रहे हैं। कई बार जलदाय विभाग को ज्ञापन दे चुके हैं। अधिकारियों से मिलकर समस्या बताई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। होमलैंड सिटी प्रथम में पानी की नियमित आपूर्ति पूरी तरह बंद हो चुकी है, नाथ वाली 2 एमएल से होमलैंड सिटी तक की पाइपलाइन में कई अवैध कनेक्शन जोड़ दिए गए हैं। ड्रीम लैंड और अरावली होम्स जैसी कॉलोनियों में दो-दो इंच की पाइपलाइनें अवैध रूप से लगाई गई हैं। इससे होमलैंड सिटी में पानी पहुंचना बंद हो गया है। लोगों ने बलवीर मीह पर आरोप लगाया कि उसने चैंबर और वाल्व लगाकर सड़क के दूसरी ओर दो नई पाइपलाइनें निकाल दी हैं। इससे पानी का दबाव पूरी तरह खत्म हो गया है। पिछले एक साल में कई बार मुख्य पाइपलाइन से छेड़छाड़ की गई है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने मांग की कि अवैध कनेक्शन तुरंत हटाए जाएं और नियमित जल आपूर्ति शुरू की जाए। चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। पानी की सप्लाई बंद होने से लोग महंगे दामों में टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं। इससे आर्थिक बोझ बढ़ा है। कई बार टैंकर भी समय पर नहीं पहुंचते। महिलाओं और बुजुर्गों को खास परेशानी होती है। उन्होंने बताया कि अब तक जिला प्रशासन और जलदाय विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा था। कहा कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे और जलदाय विभाग का घेराव करेंगे। धरने में प्रेमचंद टाक, विजय कुमार, कुलदीप सोनी, सुभाष राम, हरविंदर, साहब राम, नरेंद्र कुमार शर्मा सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

जंगल में पेड़ से लटका मिला किशोरी का शव, पुलिस जांच में जुटी

डूंगरपुर

वरदा थाना क्षेत्र के मारगिया बांध के पास जंगल में एक पेड़ से 14 वर्षीय बालिका का शव लटका हुआ मिला। बालिका परिजनों से किसी मामले में कहासुनी होने पर नाराज होकर एक दिन पहले घर से निकली थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। डूंगरपुर जिले के वरदा थाने के हेड कॉन्स्टेबल संतोष कुमार ने बताया कि हिराता फला बंदडा निवासी सोहनलाल रोत ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी रवीना का किसी बात को लेकर शुक्रवार शाम को परिजनों से कहासुनी हुई थी। जिस पर नाराज होकर घर से चली गई थी। जिसकी परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। वहीं, शनिवार को परिजन उसे तलाशते हुए मारगिया बांध पहुंचे, जहां जंगल में पेड़ से उसका शव लटका हुआ था। परिजनों ने घटना की जानकारी वरदा थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जिला अस्पताल की मॉर्चुयरी पहुंचाया। जहां पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार में 1000-500 के पुराने नोटों की गड्डियां मिली, 1 करोड़ 34 लाख रुपए के साथ 3 गिरफ्तार, आरोपी बोले- हम नोट बदलवाने आए थे

उदयपुर

सलूंबर पुलिस ने महाराष्ट्र नंबर की कार से करीब 1 करोड़ 34 लाख रुपए के पुराने नोट जब्त किए हैं। कार में कुछ खाली कागजों के साथ केमिकल भी मिला है। पुलिस ने कार सवार 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह पुराने नोट बदलवाने आए थे। इसके बदले 12 प्रतिशत वैल्यू मिल रही थी। गिरफ्तार एक आरोपी सलूंबर के बस्सी का रहने वाला है और मुंबई में व्यापार करता है। एसपी राजेश यादव ने बताया- कार में 1000 रुपए की 98 गड्डियां और 73 गड्डियां 500 रुपए की थी। कुल मिलाकर यह राशि करीब 1.34 करोड़ रुपए है। कार सवार पदमाकर वेंकट राव कुलकर्णी, कन्हैयालाल मेहता और कयूम को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी मनीष खोईवाल ने बताया- सलूंबर पुलिस को खेराड़ा टोल नाका पर एक संदिग्ध कार खड़े होने की सूचना मिली थी। महाराष्ट्र नंबर की कार में ड्राइविंग सीट पर एक और पीछे की सीट पर दो लोग बैठे थे। पुलिस ने ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति से पूछताछ की। उसने खुद का नाम कयूम पासा पुत्र शेख मोहम्मद मुसलमान निवासी दिगलुर नाका, सिडको थाना, नांदेड़ (महाराष्ट्र) बताया। कयूम ने बताया कि कार उसकी है, जिसे ये लोग किराए पर लेकर आए हैं। पीछे बैठे लोगों ने अपने नाम कन्हैयालाल पुत्र जगन्नाथ मेहता निवासी बस्सी बुझाड़ा, सलूंबर और पदमाकर वेंकट राव कुलकर्णी निवासी भाग्यनगर, पावडेबाड़ी नाका थाना, नांदेड़ (महाराष्ट्र) बताए। एएसपी बनवारी लाल मीणा ने बताया- पुलिस टीम ने तीनों को कार से नीचे उतारकर कार की डिग्गी को चेक कराने के लिए कहा। इस पर वे आनाकानी करने लगे। पुलिस ने तसल्ली देकर कार की डिग्गी खुलवाई तो पीछे डिग्गी में एक काला सूटकेस, दो काले बैग और एक कार्टन पड़ा था। कार सवारों से पूछने पर उन्होंने सूटकेस में कपड़े होने की बात कही। सूटकेस खोलकर देखा तो 2016 में बंद हो चुके 500 और 1000 के नोटों की गड्डियों के साथ ही सफेद कागज की गड्डियां थी। डीएसपी हेरम्ब जोशी ने बताया- कार सवार लोगों से उक्त गड्डियां परिवहन कर ले जाने के संबंध में वैध कागजात के बारे में पूछा गया तो उनके पास कोई दस्तावेज नहीं मिला। प्रारंभिक पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने बताया- कि हम नोट बदलवाने आए थे।

अजय देवगन से हिला बॉक्स ऑफिस...

मुंबई। अजय देवगन की 'रेड 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है। पहले दिन मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर दोहरे अंकों में ओपनिंग दर्ज की। सफल फ्रैंचाइज का हिस्सा रही इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर करीब 18 करोड़ रुपये की कमाई की। 'रेड 2' को ओपनिंग डे पर मजदूर दिवस की छुट्टी का सहारा मिला। रिपोर्ट के मुताबिक अजय देवगन की मूवी ने दो दिनों में वर्ल्डवाइड 40.50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। जल्द ही यह 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी। शुक्रवार, 02 मई 2025 को रेड 2 की कुल हिंदी ऑक्यूपेंसी 19.23 प्रतिशत थी।

लाइफ Style

चित्रांगदा

'अधिक गोरी' नहीं होने के कारण रिजेक्ट

एजेंसी ⏭ मुंबई

फिल्म एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने सनसनीखेज खुलासा किया है कि एक नामी टेलकम पाउडर बनाने वाली कंपनी ने उनके स्किन के कलर को लेकर उन्हें रिजेक्ट किया था। चित्रांगदा सिंह ने हजारों ख्वाहिशें ऐसी फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी।

चित्रांगदा सिंह को हाल ही में फिल्म गैसलाइट में देखा गया है। यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है। इसमें उनके अलावा सारा अली खान और विक्रांत मेस्सी की अहम भूमिका है। उन्होंने 2005 में आई फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी से डेब्यू किया था। इसके पहले उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया है। अब उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने अपनी जर्नी के बारे में बात की है। चित्रांगदा सिंह ने खुलासा किया कि उन्हें एक बड़ी टेलकम पाउडर ब्रांड ने रिजेक्ट किया था। वह कहती हैं, मैं म्यूजिक वीडियो करती थी लेकिन मुझे एक बड़े टेलकम पाउडर कंपनी ने अधिक गोरी नहीं होने के कारण रिजेक्ट कर दिया था। तब मैंने फिल्म के लिए ऑडिशन दिया और मुझे लगा कि मुझमें वह बात नहीं है और तभी मुझे फिल्म का ऑफर आया। तब मुझे लगा कि यह अच्छी बात है। उन्हें लग रहा है कि मैं अच्छा काम करूंगी और मैंने देखा कि कई लोगों ने उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था तो अगर मैं ईमानदारी से कहूं तो उस वक्त मैं वाकई फिल्म करना चाहती थी। चित्रांगदा सिंह ने यह भी कहा कि जब वह फिल्म कर रही थी, तब उन्होंने यही सोचा कि यह सुधीर मिश्रा की फिल्म है। इसके अलावा वह और कुछ नहीं सोच रही थी।

हॉलीवुड मसाला

'थंडरबोल्ट्स' की सीन पर

बड़ा खुलासा

लॉस एंजिलिस। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'थंडरबोल्ट्स*' को लेकर फैंस में उत्साह चरम पर है। हाल ही में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स खासकर रेडिट पर फिल्म की पोस्ट-क्रेडिट सीन को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। कई फैंस का मानना था कि यह सीन न केवल 'फैंटास्टिक फोर' की एंट्री का संकेत देता है, बल्कि 'एवेंजर्स: डूम्सडे' से भी जुड़ा है। अब फिल्म के निर्देशक जेक श्रेयर ने एक इंटरव्यू में इन अटकलों को सच करार दिया है।

उसने मेरा साथ..., छलके मिरियम हेली के आंसू...

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड के पूर्व दिग्गज निर्माता हार्वे वीनस्टीन के खिलाफ चल रहे यौन उत्पीड़न के मुकदमे में एक पीड़िता ने कोर्ट में भावुक होकर अपना पक्ष रखा। 48 वर्षीय मिरियम हेली ने शुक्रवार को गवाही देते हुए कहा, उसने मुझ पर हमला किया, मैंने नहीं। यह कहते हुए उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। यह मामला करीब दो दशक पुराना है, जिसमें हेली ने वीनस्टीन पर जबरन यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। न्यूयॉर्क की अदालत में वीनस्टीन के खिलाफ नए सिरे से मुकदमा चल रहा है। इस मामले में हेली पहली गवाही देने वाली पीड़िता हैं। उन्होंने चौथे दिन गवाही दी। इस दौरान वीनस्टीन के वकील जेनिफर बोनजीन ने उनसे कड़े सवाल किए, जिससे हेली भावुक हो गईं। वकील ने पूछा कि क्या हेली की सहमति से यह सब हुआ था।

बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड नहीं मिलने से रोई थीं

मुंबई। अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक मानी जाती है। हाल में एक्ट्रेस ने अपना 37वां जन्मदिन मनाया। अनुष्का शर्मा ने 2008 में फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल हो रहे वीडियो में अनुष्का ने बताया की जब उनको फिल्मफेयर का बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड नहीं मिलने पर उनको कैसा लगा था। 2018 में एक इंटरव्यू में अनुष्का ने बताया था कि, उन्हें पूरा भरोसा था कि वो फिल्मफेयर का बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड जीतेंगी। लेकिन उस साल यह अवॉर्ड आमिर खान की फिल्म 'गजनी' की एक्ट्रेस आसिन को मिला था। अवॉर्ड न मिलने से वह बहुत दुखी और परेशान हो गई थीं।

ठंडे बस्ते में गई सल्लू की गंगा राम...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 'सिकंदर' के बाद से अपनी नई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बने हैं। खबर थी कि वह 'गंगा राम' नाम की फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है। खबर है कि बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान ने अपनी आगामी फिल्म 'गंगा राम' को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इस फैसले के पीछे उनके फैंस की नाराजगी और चिंता है, जिन्होंने फिल्म की घोषणा के बाद सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर अपनी नाखुशी जाहिर की थी। 'गंगा राम' में सलमान खान के साथ संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आने वाले थे और इस फिल्म को नए डायरेक्टर कृष अहिर निर्देशित करने वाले थे, लेकिन जैसे ही फिल्म की घोषणा हुई, सलमान के फैंस ने इस प्रोजेक्ट पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

टीवी मसाला

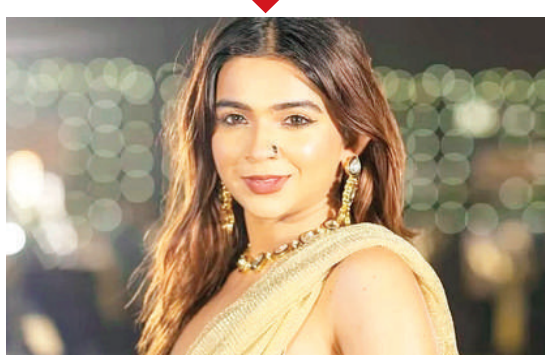

'मेरी मां को रेप की धमकियां मिली', अपूर्वा का छलका दर्द

मुंबई। 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में अपने आपत्तिजनक बयान की वजह से विवादों में घिरी अपूर्वा मुखीजा ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने खुलासा किया कि इस विवाद को उनके साथ उनके परिवार पर भी गहरा असर पड़ा। उन्होंने बताया कि कैसे अचानक वायरल होने के बाद अजनबी लोग उनके माता-पिता के सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंच गए और उनके बुरा बर्ताव करने लगें। इसके चलते उनकी मां की तबीयत भी बिगड़ गई। अपूर्वा मुखीजा ने युवा से कहा, 'लोगों ने मेरे माता-पिता के सोशल मीडिया अकाउंट खोज लिए। मेरी मां का अकाउंट पब्लिक था और जब यह सब हो रहा था, तो पहले दो दिनों तक मैं केवल अपने बारे में सोच रही थी। अपूर्वा ने कहा, 'मेरी मां को बहुत सारे अपशब्द और रेप की धमकियां मिलीं। मुझे तीन दिन तक पता नहीं चला। मैंने अपने भाई को फोन किया और उसने मुझे बताया कि मां का ब्लड प्रेशर बढ़ गया है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।

सना मकबूल बोलीं- मेरी मर्जी मैं चाहे जैसी दिखूं...

मुंबई। बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 की विनर सना मकबूल के फैन पेज द्वारा एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में अभिनेत्री ट्रोलर्स को करारा जवाब देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बढ़े हुए वजन को लेकर बॉडी शेम किए जाने पर प्रतिक्रिया दी है। वीडियो में उन्होंने साझा किया कि शायद लोगों को नहीं पता कि वह किस दौर से गुजर रही हैं। वीडियो पर गुरुवार 1 मई का तारीख भी लिखी है। वायरल हो रहे वीडियो में सना को कहते हुए सुना जा सकता है, 'हाय दोस्तों, आप में से बहुत से लोग मुझसे कह रहे हैं कि मेरा वजन बढ़ गया है। गाल भर गए हैं। सच कहूं तो पहले इस बात का फर्क पड़ता था, लेकिन अब फर्क नहीं पड़ता। मेरी बॉडी है। मैं चाहे जैसी भी लगूं, जैसा भी हो यह मेरा शरीर है। यह मेरी मर्जी है कि मैं कैसी दिखूं। मुझे लगता है कि मैं शानदार दिखती हूं। मैं शानदार हूं।'

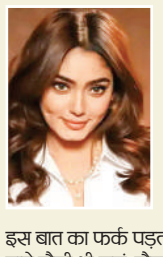

'चीजें थाली में सजा कर नहीं मिलती'

मुंबई। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट यानी वेव्स समिट का आगाज मायानगरी मुंबई में एक मई को हुआ। इस समिट का आगाज पीएम मोदी ने किया। इसमें फिल्मी दुनिया से जुड़े तमाम बड़ी हस्तियों ने भी हिस्सा लिया। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने भी समिट में हिस्सा लिया और फिल्म इंडस्ट्री में इनसाइडर और आउटसाइडर यानी अंदर से जुड़े लोगों और बाहर से आए नए कलाकारों के बीच के फर्क पर खुलकर बात की। वेव्स 2025 सम्मेलन के दौरान शाहरुख खान ने कहा, मैं एक बात साफ करना चाहता हूं 'भूख' एक बहुत बड़ा शब्द है। मुझे इनसाइडर और आउटसाइडर के बीच बनाए गए भेद से दिक्कत है। शाहरुख की यह बात एक गहरी और समझदारी भरी चर्चा की शुरुआत थी। उनके शब्द सीधे दिल को छूने वाले थे।

सेल्फी ना लेने पर ट्रोल हुए अल्लू

मुंबई। अल्लू अर्जुन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेता अल्लू अर्जुन एक प्रशंसक के साथ सेल्फी लेने से इनकार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद यूजर्स ने उनके इस रवैये के लिए अभिनेता की आलोचना करनी शुरू कर दी। दरअसल, शुक्रवार को अल्लू अर्जुन 'वेव्स 2025' में हिस्सा लेने के लिए मुंबई पहुंचे थे। इस दौरान जैसे ही वह अपनी कार से बाहर निकले उनके एक प्रशंसक ने उनके सेल्फी के लिए अनुरोध किया। हालांकि, अभिनेता उसके साथ फोटो लेने के लिए नहीं रुके। बल्कि उसके कंधे पर हाथ थपथपाते हुए चले गए। उनके सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा भी फैन को हटने का इशारा करते हुए देखा गया।अभिनेता का यह रवैया सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आया।

फुलेरा में सज गया चुनावी मैदान होगा जोरदार घमासान...

मुंबई। फुलेरा गांव की 'पंचायत' वापस आ रही है। प्राइम वीडियो के पसंदीदा शो 'पंचायत' के चौथे सीजन का टीजर आज जारी हो गया है। जो इस बात की झलक दिखाता है कि इस बार फुलेरा में प्रधानी का चुनाव होने जा रहा है। प्रधान जी के सामने एक बार फिर भूषण यानी कि बनराकस चुनौती बनकर खड़ा है। अब चुनाव का नतीजा क्या रहता है और क्या भूषण प्रधान जी पर भारी पड़ेगा, ये 2 जुलाई को ही पता चलेगा। प्राइम वीडियो की ओर से इस टीजर को ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी किया गया है। टीजर की शुरूआत होती है एक वॉइस ओवर और पंचायत के कुछ सीन के साथ। वॉइस ओवर में कहा जाता है, "भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और इस लोकतंत्र का एक छोटा सा हिस्सा है हमारा फुलेरा गांव। जहां इस साल होगा बड़ा घमासान, जब इलेक्शन में लड़ बैठेंगे हमारे प्रधान जी और भूषण। आइयेगा जरूर हमारे फुलेरा का चुनाव देखने।"

इस बार थीम है 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल'

कल सजेगी मेट गाला की महफिल, 76 साल पहले हुई थी शुरुआत

लॉस एंजिलिस। फैशन की सबसे बड़ी शाम और सबसे बड़े फैशन शो मेट गाला में शिरकत करना हर सेलेब्रिटी के लिए एक उपलब्धि की बात होती है। हर साल की तरह इस बार भी मेट गाला वापस आ रहा है। 5 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट में एक बार फिर से मेट गाला की महफिल सजने वाली है। दुनिया भर की मशहूर हस्तियां और डिजाइनर अपनी थीम के अलग-अलग पोशाकों में नजर आएंगे। जानते हैं मेट गाला की इस बार की थीम के बारे में और इसमें कौन-कौन हस्तियां होंगी शामिल।

1948 में हुई मेट गाला की शुरूआत : सबसे पहले जिनको नहीं पता उन्हें ये बता दें कि मेट गाला है क्या और इसकी शुरूआत कबसे हुई। मेट गाला एक चैरिटी इवेंट है, जो हर साल न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट्स के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट में आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत साल 1948 में सोसाइटी मिडनाइट डिनर के रूप में हुई थी।

कौन करता है मेट गाला की थीम का चयन : मेट गाला का आयोजन और इसकी अध्यक्षता वोग मैगजीन की एडिटर-इन-चीफ अन्ना विंटोर साल 1995 से कर रही हैं। आमतौर पर इसका आयोजन हर साल मई के पहले सोमवार को किया जाता है। इस बार भी इसका आयोजन इसी दिन पर किया जा रहा है। वहीं मेट गाला की थीम का चयन भी एना विंटोर ही करती हैं। साथ ही मेहमानों का चयन भी एना विंटोर और उनकी टीम करती है।

मेट गाला 2025 की थीम

इस बार मेट गाला 2025 की थीम 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल' है, जो फैशन के जरिए ब्लैक आइडेंटिटी की अहमियत को दिखाएगा। जबकि इस बार ड्रेस कोड 'टेलर्ड फॉर यू' रखा गया है, जिसमें मेन्स वियर और सूटिंग पर ध्यान दिया जाएगा। इस बार की थीम मोनिका एल. मिलर की 2009 की किताब 'स्लेव्स टू फैशनः ब्लैक डैंडीज्म एंड द स्टाइलिंग ऑफ ब्लैक डायस्पोरिक आइडेंटिटी' से प्रेरित है।

दुनियाभर की इन दिग्गज हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद

मेट गाला में सबकी नजरें टिकी होती हैं इसकी गेस्ट लिस्ट पर। हर कोई ये जानना चाहता है कि मेट गाला में कौन-कौन गेस्ट शामिल होंगे। इस बार की भी लिस्ट जो सामने आ रही है, उसमें दुनियाभर की कई दिग्गज हस्तियां शामिल हैं। अब तक सामने आ रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार रेड कार्पेट पर जो हस्तियां शामिल होंगी, उनमें जॉय किंग, मिरांडा केर, क्लो सेविग्नी, क्लैरो और एम्मा चेम्बरलेन के नाम शामिल हैं। इसके अलावा हॉलीवुड से निकोल किडमैन और जो सलदाना, मोनिका बारबरो, डैमसन इदरीस और मैल्कम वाशिंगटन के भी मेट गाला 2025 में शिरकत करने की उम्मीद है। साथ ही टर्नर-स्मिथ, जैनिक्जा ब्रावो और मॉडल उगबाद अब्दी भी रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरती नजर आएंगी।

बानसूर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जन्मदिन मनाया, गोवा शाला में की सवामणि, पहलगाम आतंकी हमले में शहीदों को श्रंद्धाजलि दी

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर । पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जन्मदिन सैनी समाज और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से मनाया। कार्यकर्ताओं ने राजकीय उप जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए। गिरधर गौशाला में गौ माताओं के लिए गुड़ की सवामणि और हरा चारा खिलाया गया। कार्यकर्ताओं ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। कार्यक्रम में राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अजय यादव और मंडल अध्यक्ष मुकेश सैनी मौजूद रहे। एडवोकेट प्रदीप यादव, विजय सैनी, मादाराम सैनी और राम अवतार सैनी भी शामिल हुए। पार्षद अशोक सैनी, राजू सैनी और राजाराम सैनी ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके अलावा राकेश सैनी, अमर सिंह सैनी, गोविंद सैनी और मामराज सैनी भी उपस्थित रहे। हनुमान प्रसाद सैनी, रमेश सैनी और कन्हैया लाल सैनी समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

चतरपुरा सरपंच की पहल, महात्मा गांधी स्कूल विकास के लिए 21 हजार रूपये भेंट किए

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर।नारायणपुर स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय चतरपुरा में नए प्रधानाचार्य दीपक कुमार ने कार्यभार संभाला। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चतरपुरा के सरपंच नीरज कुमार तौणगरिया ने स्कूल के विकास के लिए 21 हजार रुपये का योगदान दिया। कार्यभार ग्रहण समारोह में विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यवाहक प्रधानाचार्य कृष्णा देवी सहित ग्रामवासी विक्रम सिंह शेखावत, महेश शर्मा और गिर्राज टेलर भी उपस्थित थे। नए प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों के हित में काम करने का संकल्प लिया। उन्होंने ग्रामवासियों से सहयोग की अपेक्षा की। सरपंच ने विद्यालय के विकास में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उनके इस योगदान से ग्राम पंचायत चतरपुरा में शिक्षा के क्षेत्र में नई शुरुआत की उम्मीद जगी है।

ईमानदारी की मिसाल : टेंटकर्मी मोनू मीणा ने लौटाया 5 लाख रुपए कीमत का सोने का हार

मरूधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। उपखंड क्षेत्र के कटहैडा गांव में 30 अप्रैल को आयोजित हो रहे युवती के विवाह समारोह मे टेंटकर्मी मोनू मीणा द्वारा ईमानदारी की मिसाल पेश की गई। प्राप्त जानकारी अनुसार विवाह समारोह के दौरान समारोह स्थल पर दूल्हे की बहन का 5 लाख रुपए कीमत का सोने का हार गिर गया था। विवाह समारोह में टेंटकर्मी मोनू मीणा को जब लाखों की कीमत का सोने का हार मिला तो मोनू मीणा द्वारा अपनी ईमानदारी एवं खुद्दारी का परिचय देते हुए उस सोने के हार को उसके असली मालिक को लौटा दिया गया। विवाह समारोह में शामिल हर व्यक्ति द्वारा टेंटकर्मी मोनू मीणा द्वारा दिखाई गई ईमानदारी की जमकर सहारना की गई साथ ही मोनू मीणा को उनकी ईमानदारी के लिए 11000? से सम्मानित भी किया गया।

बेरका में घोडा को जहरीला पदार्थ खिलाकर मारने का आरोप, मामला दर्ज

मरूधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। थाना क्षेत्र के गांव बेरका में एक व्यक्ति के घर से घोडे को जंगल में ले जाकर जहरीला पदार्थ पिलाकर मारने का मामला दर्ज कराया। थानाधिकारी महेश तिवाडी ने बताया कि राकेश पुत्र मांगीलाल निवासी बेरका ने रिपोर्ट दर्ज कराई की 27- 28 अप्रैल की मध्य रात्रि में मेरा घोड़ा मकान के सामने वाले प्लॉट में बंध रहा था हम परिवार वाले भाई की शादी में व्यस्त थे कोई अज्ञात व्यक्ति मेरे घोड़े को खोलकर घर से करीब एक डेढ़ किलोमीटर दूर ले गया और घोड़े का कोई जहरीला पदार्थ पिला दिया जिससे घोडे के मुख से झाग में खून आ गऐ। जब 28 अप्रैल को सुबह घोड़े को तलाश किया तो घोड़ा महिपाल के खेत में मृत अवस्था में मिला जिसका मुझे पूरा सके कि यह काम किसी आस पड़ोसी का ही है। इधर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की तश्तीफ जारी है।

बूंदी जिले . केशोरायपाटन से सुनील मेघवाल संवाददाता

गामछ के पुराने ठाकुरजी के मंदिर से मुकुट चोरी

मरूधर विशेष

केशवरायपाटन केशवरायपाटन थाना क्षेत्र के गामछ के पुराने ठाकुरजी के मंदिर में चोरी होने का मामला सामने आया है। पुजारी रमन कुमार उपाध्याय ने बताया कि गामछ के ठाकुरजी के मंदिर पर खिड़की तोड़कर चोर मंदिर से ठाकुरजी के पांच पांच सौ ग्राम के दो मुकुट व दानपेटी तोड़कर लगभग 5 हजार रूपए व इंडेक्शन चोरी कर रफूचक्कर हो गए। पहले भी तीन बार चोरी कि घटना हो गई हैं। पुजारी ने केशवरायपाटन थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

परीक्षा परिणाम घोषणा व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

मरूधर विशेष

हीराराम सेजू पचपदरा (बालोतरा) स्थानीय क्षेत्र के आदर्श विद्या मंदिर पचपदरा में शनिवार को परीक्षा परिणाम की घोषणा वह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वर्ष पर की शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले भैया बहिनों को पुरस्कार प्रदान किया गया । कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहिनों और वर्ष भर में विज्ञान मेला, बौद्धिक प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिताएं, गणवेश व बस्ता प्रतियोगिता, साज सज्जा प्रतियोगिता, सर्वाधिक स्वच्छ भैया बहिनों,खेल कूद प्रतियोगिताऔर अन्य सह शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्या मंदिर में पढ़ने वाले सभी भैया बहिनों को इस शुभ अवसर पर पुरस्कार प्रदान कर भैया बहनों को प्रोत्साहित

किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती व मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा अतिथि परिचय करवाने के बाद विद्यालय के समग्र परिणाम की घोषणा की । इस अवसर पर सेवा निवृत्त शिक्षाविद दौलतराम खारवाल, चंपालाल परमार, विद्यालय समिति के व्यवस्थापक मांगीलाल जी ढेलडीया व कोषाध्यक्ष भगवती प्रसाद दावरीया व लगभग सभी भैया बहिनों के अभिभावक व माताएं उपस्थित रही।माता पिता ने अपने बच्चों के साथ पुरस्कार लेने में बड़ा उत्साह दिखाया।सभी मंचासीन अतिथियों ने भैया बहिनों को आशीर्वाद दिया कि आप आगे चलकर इस राष्ट्र की उन्नति हेतु राष्ट्रभक्ति के विचार लेकर अपना अध्ययन इस विद्यालय में संस्कारों के साथ साथ देश सेवा व अपने संस्कारों को हृदय में संजोय रखें ऐसा भाव लेकर जीवन में प्रगति करें। कार्यक्रम के अंत में व्यवस्थापक मांगीलाल ढेलडिया ने सभी का आभार जताया।अंत में कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम सम्पन्न किया।

महाविद्यालय के निःशुल्क इंटरव्यू गाइडेंस प्रोग्राम की शानदार सफलता

10 अभ्यर्थियों का राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक आचार्य (राजनीति विज्ञान) पद पर हुआ चयन

मरूधर विशेष

कोटपूतली, यहाँ के राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय द्वारा आयोजित निःशुल्क इंटरव्यू गाइडेंस प्रोग्राम की पहल ने उत्कृष्ट परिणाम दिये हैं। 02 से 05 जनवरी तक आयोजित चार दिवसीय मार्गदर्शन कार्यक्रम में राजस्थान के 23 जिलों से प्रतिभागी सम्मिलित हुये। इन प्रतिभागियों में से 10 अभ्यर्थियों का चयन राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक आचार्य (राजनीति विज्ञान) पद हेतु अंतिम रूप से हुआ है। चयनित अभ्यर्थियों में मुकेश सेवलिया रैंक 34, सुरेन्द्र कुमार रैंक 35, कृष्ण कुमार यादव रैंक 60, नीरू यादव रैंक 61, मुकेश कुमार वर्मा रैंक 64, सुनीता यादव रैंक 80, गणेश बैरड़ रैंक 96, किशन कुमार गोरचिया रैंक 99, निशांत

कुमार रैंक 100, विश्वनाथ प्रताप सिंह रैंक 108 शामिल है। यह सफलता ना केवल प्रतिभागियों की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है, बल्कि कॉलेज प्रशासन, विशेषकर प्राचार्य के दूरदर्शी नेतृत्व और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रत्यक्ष परिणाम भी है। प्राचार्य प्रो . आर.के सिंह द्वारा इस अवसर पर आयोजन समिति के प्रभारी प्रो.पी. सी. जाट व सदस्यों डॉ. विकास यादव, अशोक सिंह, घनश्याम कसाना, डॉ. हुकमचंद गुर्जर सहित महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों को बधाइयाँ दी। साथ ही यह संकल्प भी लिया गया कि ऐसी शैक्षणिक पहलों को भविष्य में और अधिक सशक्त एवं व्यापक स्वरूप में दोहराया जायेगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के मेधावी छात्रों को योग्य अवसर और सही मार्गदर्शन मिल सके।

पहलगाम हमलों के बाद पुलिस का सघन तलाशी अभियान जारी जिला कोटपूतली-बहरोड़ में पुलिस अलर्ट मोड़ पर

जिला पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 43 बांग्लादेशियों को किया डिटेन, निष्कासन की प्रक्रिया शुरू

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या नागरिकों की पहचान शुरू

मरूधर विशेष

कोटपूतली, जम्मु कश्मीर के पहलगाम में हुये आतंकी हमलों में निर्दोष नागरिकों की हत्या के घृणित घटनाक्रम के बाद राजस्थान सरकार व पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस द्वारा भी एसपी राजन दुष्यंत के नेतृत्व में जिले भर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अभियान के शुरूआती चरण में ही जहाँ पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे करीब 43 बांग्लादेशियों को डिटेन किया है। वहीं अभी तक जिले के सभी थानों में 01 हजार से अधिक संदिग्धों के कागजात जाँचे जा चुके है। एसपी दुष्यंत ने बताया कि प्रदेश भर में

राजस्थान पुलिस अलर्ट मोड़ पर है। जिसके चलते कोटपूतली-बहरोड़ जिले में भी अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं समेत पाकिस्तान आदि अन्य देशों के संदिग्धों की पहचान कर डिटेन की कार्यवाही शुरू की गई है। इसके चलते जिले के सभी थानों में विशेष अभियान शुरू किया गया है। एसपी दुष्यंत के निर्देश पर थानाधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों के कागजात जाँच करने का कार्य शुरू करते हुये उन्हें डिटेन करने की कार्यवाही शुरू की है। इसी क्रम में बहरोड़ थाने के एसएचओ विक्रांत शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने 07 बांग्लादेशियों मय 01 नाबालिग, शाहजहांपुर थाना एसएचओ मनोहर मीणा के नेतृत्व में पुलिस ने 31 बांग्लादेशियों मय 06 नाबालिग व नीमराणा एसएचओ राजेश कुमार मीणा के नेतृत्व में 05 बांग्लादेशियों मय 01 नाबालिग को डिटेन किया है। इस प्रकार थाना पुलिस ने करीब 43 बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें बहरोड़ स्थित डिटेंसन सैंटर में रखा है। एसपी दुष्यंत ने बताया कि इन सभी बांग्लादेशियों के निष्कासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी प्रकार सरूण्ड थाना क्षेत्र में अभी तक करीब 250 संदिग्धों के कागजात जाँचे जा चुके है। एसएचओ बाबूलाल मीणा ने बताया कि विभिन्न क्रेशर प्लांटों पर करीब 250 लोगों के दस्तावेज जाँचे गये है। थाना क्षेत्र में अभी तक अवैध रूप से रह रहा कोई भी बांग्लादेशी नागरिक नहीं मिला है। पुलिस लगातार सर्च अभियान चला रही है। जिले भर में पुलिस आईटी का सहारा लेकर भी संदिग्ध बांग्लादेशियों की पहचान करने व रिकॉर्ड खंगालने की कार्यवाही कर रही है। वहीं कोटपूतली थाना पुलिस एक-दो दिन में कोटपूतली शहर के विभिन्न ईलाकों में भी सघन तलाशी अभियान शुरू करने वाली है।

राम मन्दिर निर्माण समिति की बैठक रामजी मंदिर में आयोजित

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: राम मन्दिर निर्माण समिति की बैठक रामजी मंदिर में आयोजित की गई। उसमें में सर्व सहमति से प्रतिष्ठा तिथि को जून माह के बाद करने का निर्णय हुआ।आगामी समय में पण्डित जी से समय लेकर तिथि निर्धारित करेगे जिसकी सूचना समूह के माध्यम से दी जाएगी । आज की बैठक में राम मंदिर निर्माण समिति संरक्षक कैलाश राव राम मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल

विधायक रमिला खड़िया एडवोकेट धर्मेंद्र कंसारा करणसिंह राठौड़ भीमाभाई डामोर जितेंद्र अहारी हसमुखलाल सेठ रजनीकांत खाब्या रेखा जोशी लीला पडियार जिनेंद्र सेठिया सुधीर स्वर्णकार प्रतीक मेहता हेमेंद्र पंड्या विकाश शर्मा,धर्मेंद्र प्रजापत अजय जोशी भरत कुमावत विजयपाल सिंह जाधव अशोक जोशी तिलोत्तमा पंड्या मनीष नीमा,कमलेश टेलर नरेश त्रिवेदी पंकज दोशी रितेश गादिया,राकेश बैरागी दिलीप टेलर राघवेश चरपोटा कंचन त्रिवेदी
ललित गोलेछा अरुण जोशी हेमलता पंड्या ज्योत्सना पंड्या दिगपाल सिंह राठौड़ सभी ने अपनी सहभागिता की।

सांसद संजना जाटव ने खुडियाना में ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना, अधिकारियों को समस्या समाधान के दिए निर्देश

सांसद का ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर शानदार स्वागत सम्मान किया

मरूधर विशेष

कठूमर(दिनेश लेखी)। भरतपुर सांसद संजना जाटव ने शनिवार को गांव खुडियाना में पहुँचकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के बारे में अवगत करवाते हुए समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर सांसद का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत सम्मान किया। सांसद निजी सहायक भूपेन्द्र सिहं ने बताया कि नगर निकाय एवं पंचायत राज के पुनर्गठन और सीमांकन को लेकर आमजन की व्यथा को गंभीरता से सुना। इस पर उन्होंने कहा की यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जनप्रतिनिधि के दबाव में आकर अधिकारी लोगों की इच्छा के विरुद्ध जबरन क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य कर रही है, जिससे ग्रामीणजन परेशान और आक्रोशित हैं। सांसद ने ग्रामीणों के इस उचित विरोध का समर्थन करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की सहमति के बिना कोई परिसीमन नहीं किया जाए। लोकतंत्र में जनमत का सम्मान सर्वोपरि है।
इस मौके पर पीसीसी सदस्य पिंकू शर्मा, सांसद प्रतिनिधि गिरीश जौहरी, सुखचंदी फौजी, सचिन मीणा गांवडी, धर्मपाल नंगली, कुलदीप चौधरी, राजेश जाटव खुडियाना, संतोष ठेकेदार सहित महिला, पुरुष और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुवे आतंकियों के कायराना हमले के विरोध में सज्जनगढ़ भाजपा मंडल ने किया विरोध प्रदर्शन सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: सज्जनगढ़ (ताम्बेसरा) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में सज्जनगढ़ भाजपा मंडल के पदाधिकारियों ने शनिवार को ताम्बेसरा कस्बे में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आतंकवाद के खिलाफ नारेबाज़ी करते हुए केंद्र सरकार से इस हमले के दोषियों के खिलाफ कठोर और त्वरित कार्रवाई की मांग की। भाजपा मंडल मंत्री कालूसिंह डिंडोर की अगुवाई में निकले इस विरोध मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि आतंकवाद किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सरकार को इसका कड़ा जवाब देना चाहिए। प्रदर्शन के बाद एक ज्ञापन भी जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम भेजा गया, जिसमें देश की अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की गई। मण्डल मंत्री कालूसिंह डिंडोर ने भारत के प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री से आह्वान किया की उनके कहे अनुसार आतंक के खिलाफ अंतिम युद्ध कर पाकिस्तान को 4 टुकड़ो में बाटकर आतंक का अंत करने का यही उचित समय है। इस मौके पर वरिष्ठ नेता पवन कलाल, ईश्वर यादव, सिद्धार्थ कलाल, अरविन्द कलाल, विशाल कलाल, रंजन कलाल, कल्पेश कलाल, यज्ञपाल सिंह राठौड़, पुलकेश कलाल, प्रवीण कलाल सहीत कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

श्री राम धाम देवल मेड़ता के उत्तराधिकारी पहुचे गोशाला

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: सागवाड़ा नगर की सार्वजनिक श्री उत्तम गोपाल कृष्ण गोशाला में सुबह श्री राम धाम देवल मेड़ता के उत्तराधिकारी संत श्री राम निवास शास्त्रीजी गो माता के दर्शन करने पहुचे। गोशाला पहुंचकर सर्वप्रथम गोमाता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर हरे चारे का गोग्रास करवाया तत्पश्चात गो गृह, चारा डिपो तथा कुंवा सहित वहाँ के निर्माण एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया । तथा अल्प समय में गोशाला में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।गोशाला पधारने पर संयोजक मुकेश भोई ने उपरना ओढ़ाकर संतों का स्वागत किया। गो शाला समिति के संत संरक्षक उदयरामजी महाराज ने बताया कि श्री प्रभुदास धाम रामद्वारा में श्री राम धाम देवल मेड़ता के उत्तराधिकारी संत श्री राम निवास शास्त्रीजी के मुखारविंद से दिनांक 30 अप्रेल से 6 मई तक श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ चल रहा है । ज्ञात रहे कि पूर्व में सागवाड़ा के महिपाल खेल मैदान में शास्त्री जी द्वारा संगीतमयी राम कथा की गई थी जिसमें सागवाड़ा नगर सहित आसपास के गाँवों के कई भक्तों ने कथा का श्रवण लाभ प्राप्त किया था। इस दौरान छगनलाल पटेल श्रीमती लता तायल रमेश तायल उपस्थित रहे। ये जानकारी मुकेश भोई ने दी।

पारले बिस्कुट कम्पनी ने एसडीएम ऑफिस पर कंप्यूटर,प्रिंटर, ऑफिस अलमारी सहित उपकरण भेंट किए

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना औद्योगिक क्षेत्र की पारले बिस्कुट कंपनी प्रबंधन की ओर से अपने सामाजिक सरोकार कार्यो के तहत नीमराना एसडीएम ऑफिस पर शनिवार को करीब एक लाख के कंप्यूटर,प्रिंटर,ऑफिस अलमारी आदि सामान आमजन की सुविधा में सुधार को लेकर भेंट किया।इस अवसर पर उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने भामाशाह कंपनी प्रबंधन के जीएम नरेंद्र श्योराण का सहयोग के लिए आभार जताते स्वागत किया।पारले कम्पनी के एचआर हेड डॉ0 वीके जैन ने बताया कि कम्पनी शिक्षा और सामजिक क्षेत्र के विकास कार्यो में अपना सहयोग निभाती है इस कार्य को भविष्य में जारी रखा जाएगा।इस दौरान पारले कंपनी के एचआर मैनेजर मांगीलाल धेतरवाल,पारले कैंडी डिवीजन के एचआर हेड डॉ0विनोद जैन,सुरक्षा अधिकारी महेंद्र सियाग सहित एसडीएम ऑफिस बाबू लोकपाल चौहान व वीरेंद्र यादव आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732